हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 | अंक - 205 | बेमेतरा, शुक्रवार 20 मार्च 2026 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 08 | मूल्य - 5 रूपये | डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

सरहुल उत्सव जनजातीय संस्कृति की विशिष्ट धरोहर, इसे संजोकर रखना हम सबकी जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री साय

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जशपुर के दीपू बगीचा में आयोजित पारंपरिक सरहुल महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने धरती माता, सूर्य देव एवं साल वृक्ष की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, उत्तम वर्षा और समृद्ध फसल की कामना की।

सरहुल की पारंपरिक रस्म के तहत पूजा कराने वाले बैगा द्वारा मुख्यमंत्री के कान में सरई (साल) फूल खोंचकर शुभ आशीष प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री साय ने जिलेवासियों को सरहुल उत्सव एवं हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरहुल महोत्सव सदियों से प्रकृति, धरती और जीवन के संतुलन का प्रतीक रहा है। बैगा, पाहन एवं पुजारी द्वारा की जाने

वाली पूजा-अर्चना केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामूहिक जीवन मूल्यों की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि यह पर्व जनजातीय समाज की समृद्ध सभ्यता और संस्कृति का जीवंत प्रतीक है, जिसे सहेजकर रखना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की जनता से किए गए वादों को तेजी से पूरा कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से लाखों परिवारों को आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं। महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 25 किश्तों में 16 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि जारी किए जा चुके हैं, जिससे महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है। वहीं 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा में प्रस्तुत धर्म स्वातंत्र्य विधेयक भी सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो अवैध धर्मांतरण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करेगा।

संक्षिप्त समाचार

खरगे-प्रियंका ने दी नवरात्र महापर्व की शुभकामनाएं

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने चैत्र नवरात्र महापर्व पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। खरगे गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, शक्ति स्वरूपा माँ दुर्गा की आराधना के महापर्व चैत्र नवरात्र स्थापना के शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक मंगलकामनाएं।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने रेपो दर स्थिर रखा, महंगाई को लेकर चिंता

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया संकट से उपजी वैश्विक अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में आये भारी उछाल के बीच अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बाजार की उम्मीद के विपरीत रेपो दरों में कोई कटौती नहीं की है। फेड की दो दिन चली बैठक के बाद बुधवार को जारी बयान में कहा गया है कि अर्थव्यवस्था की वृद्धि मजबूत बनी हुई है, लेकिन हाल के महीनों में नये रोजगार की रफ्तार सुस्त रही है और मुद्रास्फीति बढ़ी हुई है। साथ ही पश्चिम एशिया के घटनाक्रम के अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर प्रभाव में भी अनिश्चितता है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने बताया कि समिति ने दरों को 3.5 से 3.75 प्रतिशत के बीच स्थिर रखने का फैसला किया है।

सेंसेक्स दो फीसदी से ज्यादा लुढ़का

मुंबई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के रिपो दरों को स्थिर रखने के फैसले के बाद गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट रही। विदेश से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच बीएसई का सेंसेक्स 1,953.21 अंक की गिरावट में 74,750.92 अंक पर खुला। खबर लिखे जाते समय यह 1,722.90 अंक (2.25 प्रतिशत) नीचे 74,981.23 अंक पर था। बाजार में चौतरफा गिरावट रही और सभी सेक्टरों के सूचकांक नीचे चल रहे हैं। ऑटो, वित्त, बैंकिंग, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और रसायन समूहों के सूचकांक दो प्रतिशत से अधिक की गिरावट में हैं। आईटी, एफएमसीजी, धातु, फार्मा, स्वास्थ्य और तेल एवं गैस समूहों में भी भारी बिकवाली देखी जा रही है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 580.05 अंक टूटकर 23,197.75 अंक पर खुला।

प्रधानमंत्री मोदी ने नव वर्ष एवं नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को देशवासियों को अलग-अलग पोस्ट के माध्यम से नव वर्ष और नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं, साथ ही उन्होंने साहस, आत्मविश्वास, सेवा और सामूहिक राष्ट्र निर्माण के मूल्यों परबल दिया।

नव वर्ष के अवसर पर अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा, नव वर्ष के अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। मेरी कामना है कि यह नया वर्ष आप सभी के जीवन में साहस, आत्मविश्वास और सेवा भावना को और मजबूत करे, और राष्ट्र निर्माण के प्रयासों को नई शक्ति प्रदान करे। नव संवत्सर के अवसर पर एक अन्य पोस्ट में उन्होंने इसी तरह की भावना व्यक्त

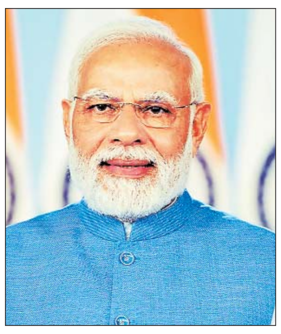

करते हुए कहा कि आने वाला वर्ष असीम सुख, सफलता और अच्छे स्वास्थ्य लेकर आएगा, साथ ही साहस, आत्मविश्वास और सेवा की भावना को मजबूत करेगा और राष्ट्र निर्माण की दिशा में हमारे सामूहिक प्रयासों को नई गति प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री ने नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं देते हुए देशवासियों को अपने परिवार के सदस्यों के रूप में संबोधित किया और कहा कि शक्ति की पूजा का यह पवित्र अवसर आप सभी के लिए सुख, सौभाग्य, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए। उन्होंने आगे कहा कि मां दुर्गा के आशीर्वाद से विकसित भारत के लिए हमारा संकल्प नई ऊर्जा प्राप्त करेगा। एक अलग संदेश में, उन्होंने मां दुर्गा के चरणों में आदरपूर्वक प्रणाम और श्रद्धा अर्पित की और प्रार्थना किया कि देवी सभी को प्रेम और करुणा का आशीर्वाद दें।

प्रधानमंत्री ने पूरे देश में पारंपरिक नव वर्ष के अवसर पर मनाए जाने वाले विभिन्न क्षेत्रीय त्योहारों, जैसे गुड़ी पड़वा, उगादी, चेटी चंद, साजिबू चीराओबा और नवरेह, की भी शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में इन त्योहारों को मनाने वाले लोगों के लिए समृद्धि और एक सुखद वर्ष की कामना की।

नव संवत्सर हिंदू चंद्र पंचांग की शुरुआत का प्रतीक है और भारतीय सांस्कृतिक विविधता के साथ विभिन्न राज्यों में इसे अलग-अलग नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। यह अवधि नवरात्रि के साथ भी मेल खाती है, जिसमें भक्त देवी दुर्गा के विभिन्न रूपों की पूजा करते हैं, जो बुराई पर अच्छाई की विजय और ब्रह्मांड को बनाए रखने वाली दिव्य ऊर्जा का प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री मोदी के संदेश सबका साथ, सबका विकास के व्यापक दृष्टिकोण और विकसित भारत की परिकल्पना के अनुरूप हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में की श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना

अयोध्या। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर गुरुवार को रामजन्मभूमि में श्रीराम यंत्र की विधिवत प्रतिष्ठापना की। नव संवत्सर के अवसर पर राष्ट्रपति ने रामलला के चरणों में शीश झुकाकर आरती उतारी और देशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी राष्ट्रपति के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। तीनों गणमान्य हस्तियों ने मंदिर परिसर में विभिन्न देवी-देवताओं के समक्ष भी श्रद्धापूर्वक शीष नवाया। इसके बाद राष्ट्रपति ने मंदिर परिसर का भ्रमण कर दीवारों पर उकेरी गई आकृतियों का अवलोकन किया। वैदिक मंत्रोच्चार और संतों की उपस्थिति में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के

दिन मंदिर के द्वितीय तल पर श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना संपन्न हुई। यह यंत्र दो वर्ष पूर्व विजयेंद्र सरस्वती द्वारा शोभायात्रा के माध्यम से अयोध्या भेजा गया था। श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना से पूर्व देश के विभिन्न भागों दक्षिण भारत, काशी और अयोध्या से आए आचार्यों द्वारा नौ दिवसीय वैदिक अनुष्ठान प्रारंभ किया गया था। प्रतिष्ठापना के समय आध्यात्मिक गुरु माता अमृतानंदमयी, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, ट्रस्टी अनिल मिश्रा तथा सदस्य गोपाल जी सहित अनेक संत एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम हुआ तूफानी आईएमडी ने ऑरेंज अलर्ट किया जारी

नयी दिल्ली। दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में गुरुवार को बादल छाए हुए हैं और तापमान लगभग 19

डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। इससे पहले धूल भरी आंधी, गरज, बिजली और बारिश के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विज्ञान विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बारिश और तेज हवाओं ने दिल्ली-एनसीआर में जनजीवन को बाधित किया है और बिजली नेटवर्क को भी प्रभावित किया है।

शुक्रवार तक मौसम की ऐसी ही स्थिति बने रहने का अनुमान है। बुधवार शाम खराब मौसम के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कम से कम 16 उड़ानों को अन्य शहरों की ओर मोड़ दिया गया। स्थानीय लोगों को घर में रहने और खिड़कियों, बिजली के खंभों और बिजली की तारों के पास खड़े होने से बचने की सलाह दी गई है।

स्वदेशी ड्रोन निर्माण का वैश्विक केंद्र बनने के लिए मिशन मोड में काम करे भारत : राजनाथ

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत को मौजूदा भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं को देखते हुए रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित करने, रक्षा तैयारी को सुदृढ़ करने तथा देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी ड्रोन निर्माण का वैश्विक केंद्र बनने के मिशन मोड में कार्य करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नई प्रौद्योगिकियों को अपनाना आवश्यक है। सिंह ने रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा आयोजित दो दिन के राष्ट्रीय रक्षा उद्योग सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में गुरुवार को 'उन्नत

विनिर्माण प्रौद्योगिकियां' विषय पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों, नव-उद्यमों, रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार विजेताओं, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, निजी रक्षा कंपनियों, नवोन्मेषकों, नीति निर्माताओं और शिक्षाविदों को संबोधित किया। उन्होंने वर्तमान भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं को देखते हुए रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित करने, रक्षा तैयारी को सुदृढ़ करने तथा देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ड्रोन उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर ईरान और इज़राइल के बीच तनाव तक चल रहे संघर्ष इस बात के प्रमाण हैं कि भविष्य के युद्धों में ड्रोन और प्रतिरोधी ड्रोन प्रौद्योगिकियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, और ड्रोन निर्माण में आत्मनिर्भरता केवल उत्पाद स्तर पर ही नहीं बल्कि कलपुर्जे के स्तर पर भी आवश्यक है।

ममता ने चुनाव आयोग की कार्रवाई को 'अघोषित आपातकाल' बताया

नयी दिल्ली/कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को चुनाव आयोग पर तीखा हमला करते हुए आगामी चुनावों से पहले राज्य के खिलाफ अभूतपूर्व हस्तक्षेप और पक्षपात का आरोप लगाया है। अपने व्हाट्सएप चैनल पर पोस्ट संदेश में सुश्री बनर्जी ने दावा किया है कि

आयोग ने 'पश्चिम बंगाल को चुन-चुनकर निशाना बनाया है', जो 'बेहद चिंताजनक' है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और कई अन्य उच्च पदस्थ अधिकारियों सहित 50 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को चुनाव की औपचारिक अधिसूचना जारी होने से पहले ही 'मनमाने ढंग से हटा दिया गया' है।

ईरान का कतर की एलएनजी गैस सुविधा के एक हिस्से पर हमला अनुचित और अन्यायपूर्ण था

साउथ पार्स हमले के बाद ट्रंप की ईरान को कड़ी चेतावनी कतर पर दोबारा हमला हुआ तो पूरी गैस फील्ड उड़ा देंगे

वाशिंगटन। इजरायल द्वारा बुधवार रात ईरान के एक महत्वपूर्ण गैस केंद्र 'साउथ पार्स गैस फील्ड' पर हमला करने पर जवाबी हमले में ईरान ने कतर में एक प्रमुख एलएनजी सुविधा पर जवाबी हमला करने पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान की चेतावनी दी कि अगर कतर पर दोबारा हमला हुआ तो वे उसका पूरी गैस फील्ड को उड़ा देंगे जो ईरान ने कभी सोचा नहीं होगा।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने कतर के रास लाफान औद्योगिक क्षेत्र सहित पड़ोसी देशों के ऊर्जा केंद्रों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किये, जिससे वहां की एलएनजी सुविधाओं को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने साउथ पार्स गैस फील्ड पर इजरायल के हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि पश्चिमी एशिया में जो कुछ भी हुआ है, उससे 'गुस्से में आकर' इजरायल ने हिंसक तरीके से ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर हिंसक हमला किया है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर कहा कि पूरे क्षेत्र का अपेक्षाकृत छोटा हिस्सा ही प्रभावित हुआ है।

हैरानी की बात यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका को इस हमले का पता नहीं था, न उन्हें इसका अंदाजा था कि ऐसा कुछ होने वाला है। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि और कतर भी इसमें शामिल नहीं था। मगर यह भी जोड़ा कि ईरान का कतर की एलएनजी गैस सुविधा के एक हिस्से

पर हमला अनुचित और अन्यायपूर्ण था।

उन्होंने आश्वासन दिया कि इस अत्यंत महत्वपूर्ण और बहुमूल्य साउथ पार्स फील्ड में इजरायल अब कोई और हमले नहीं करेगा, हालांकि यह भी चेतावनी दी कि जब तक ईरान मूर्खतापूर्ण ढंग से बेहद निर्दोष देश कतर पर हमला करने का फैसला नहीं करता। अगर ईरान ऐसा करता है तो अमेरिका, इजरायल की मदद या सहमति के बिना या उसके साथ पूरे साउथ पार्स गैस फील्ड को इतनी ताकत और शक्ति से उड़ा देगा जैसा ईरान ने पहले कभी नहीं देखा होगा। गौरतलब है कि दुनिया का सबसे बड़ा गैस क्षेत्र पार्स गैस फील्ड दक्षिणी ईरान के बुशहर प्रांत के तट पर स्थित है।

ईरान की तस्नीम समाचार एजेंसी ने देश के पेट्रोलियम मंत्रालय के हवाले से कहा कि कई सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है लेकिन फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और गैस क्षेत्र में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। सूत्रों के हवाले से इजरायली मीडिया ने खबर दी है कि देश की वायुसेना ने इस हमले को अंजाम दिया। साउथ पार्स फील्ड (जिसे कतर के साथ साझा किया जाता है और वहां इसे नॉर्थ फील्ड के नाम से जाना जाता है) दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस क्षेत्र है। यह ईरान के कुल गैस उत्पादन का लगभग 70-75 प्रतिशत हिस्सा प्रदान करता है। इस क्षेत्र से निकलने वाली प्राकृतिक गैस ईरान के राष्टीय पावर ग्रिड के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से को ऊर्जा देती है। यह ईरान के विशाल पेट्रोकेमिकल और गैसोलीन उत्पादन उद्योगों के लिए कचे माल का प्राथमिक स्रोत है। भारी प्रतिबंधों के बीच, यह क्षेत्र घरेलू हीटिंग, खाना पकाने और औद्योगिक कार्यों के लिए अनिवार्य ऊर्जा की जीवनरेखा है।

पश्चिम बंगाल चुनाव के लिये भाजपा की 111 उम्मीदवारों की सूची, रुपा गांगुली और रेखा पात्रा को टिकट

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अपने 111 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी।

पार्टी ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों-उत्तर बंगाल, दक्षिण बंगाल और कोलकाता-में नए और अनुभवी चेहरों को मौका दिया है। वहीं भाजपा ने अपनी दूसरी सूची में उम्मीदवारों में बदलाव करते हुए अनुसूचित जाति वाली बिष्णुपुर सीट पर अपना उम्मीदवार बदल दिया है। इस सीट पर पहले अग्निश्वर नस्कर उम्मीदवार बनाया गया था उसके बाद अब इस सीट पर विश्वजीत खान को मैदान में उतारा गया। भाजपा की इस सूची में महिलाओं को भी प्रतिनिधित्व दिया गया है और कई सीटों पर नए चेहरों को मौका मिला है। भाजपा ने अपनी दूसरी सूची में प्रमुख महिला नेताओं को मैदान में उतारकर महिला नेतृत्व पर विशेष जोर दिया है। दूसरी सूची में भाजपा ने 19 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया है। दूसरी सूची में संदेशखाली की घटना के बाद चर्चा में आई रेखा पात्रा और अभिनेत्री से नेता बनी रूपा गांगुली के नाम प्रमुख हैं। रेखा पात्रा को हिंगलगंज सीट से और रूपा गांगुली को सोनारपुर दक्षिण सीट से टिकट दिया गया है।

भाजपा ने दूसरी सूची में सुवेंदु अधिकारी के छोटे भाई दिब्येंदु अधिकारी को एगरा से चुनावी मैदान में उतारा है। वहीं चोपड़ा से शंकर अधिकारी और टॉलीगंज से पापिया अधिकारी को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा भाजपा ने मठभंगा से पूर्व केंद्रीय मंत्री निशिथ प्रमाणिक और एंटाली से प्रियंका टिबरेवाल को मैदान में उतारा है।

बोर्ड ऑफविजिटर्स द्वारा जिला जेल का निरीक्षण, बंदियों को बेहतर सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण विधिक सहायता देने के निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार बीते गुरुवार को जिला जेल बेमेतरा का ÷बोर्ड ऑफविजिटर्स÷ द्वारा विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का नेतृत्व श्रीमती सरोज नंद दास, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा ने किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक, एडीएम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी तथा जिला औद्योगिक अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। ÷जेल लीगल एड क्लीनिकों÷ के कार्यो को मजबूत बनाने और बंदियों को समय पर प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण विधिक सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एसओपी 2016 तथा कंडिका 225 के परिपालन में निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बोर्ड ऑफ विजिटर्स द्वारा जेल में संधारित रजिस्टरों का परीक्षण किया गया तथा यह पाया गया कि रजिस्टरों में जाति कॉलम या जाति से संबंधित किसी प्रकार का उल्लेख नहीं किया गया है। इसके साथ ही सभी बैरकों में जाकर बंदियों से अलग-अलग चर्चा की गई, जिसमें बंदियों ने जेल में किसी प्रकार के जातिगत भेदभाव से इंकार किया। जेल में बंदियों के मनोरंजन के लिए दो बैरकों में टीवी की व्यवस्था की गई है, जिसमें योग, आध्यात्मिक कार्यक्रम, भजन, समाचार आदि प्रसारित किए जाते हैं। इसके अलावा बंदियों को तबला, ढोलक, झांझ, मंजिरा जैसे वाद्ययंत्र तथा लूडो और चेस जैसी खेल सामग्री भी उपलब्ध कराई गई है। पानी की व्यवस्था की समीक्षा में पाया गया कि जेल में तीन ट्यूबवेल हैं, जिनमें से एक बंद है। परिसर के अंदर एक पानी टंकी तथा बाहर एक ओवरहेड टंकी उपलब्ध है। भोजन व्यवस्था की समीक्षा करते हुए बोर्ड ने निर्देश दिया कि जेल मैनुअल के अनुसार प्रतिदिन बदलते मेन्यू के साथ मौसमी सब्जियां और दालें दी जाएं तथा भोजन की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।स्वास्थ्य व्यवस्था की समीक्षा में बताया गया कि जिला जेल में डॉ. सुभाष साहू चिकित्सा अधिकारी के रूप में पदस्थ हैं, जो प्रत्येक मंगलवार को बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार के लिए उपस्थित रहते हैं, जबकि एक फार्मासिस्ट प्रतिदिन उपलब्ध रहता है। निरीक्षण के दौरान जेल लीगल एड क्लीनिक, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष, मुलाकात कक्ष, बंदियों को दिए गए कपड़ों की स्थिति, शौचालयों तथा अन्य व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही विचाराधीन बंदियों को साक्षर बनाने के लिए साक्षरता मिशन के अंतर्गत ÷उल्लास प्रवेशिका÷ पुस्तक का वितरण किया गया तथा उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित किया गया।

नहर में मिला नवजात शिशु का शव, क्षेत्र में सनसनी

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

पामगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम बारगांव में गुरुवार को एक छह महीने के नवजात शिशु का नहर में शव मिला है। शव देखकर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर कदन दफ्न कर दिया है। पुलिस अब संदिग्धों की तलाश में जुट गई है। पामगढ़ पुलिस के अनुसार बारगांव में गुरुवार की सुबह 10 बजे उस वक्त सनसनी फैल गई जब नहर में तैरता क 6 माह का नवजात शिशु देखे। मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने इस बात की सूचना पामगढ़ पुलिस को दी। पामगढ़ पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और पंचनामा की कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बारगांव के ग्रामीणों द्वारा आशंका जताई जा रही है कि किसी निर्मोही मां ने अपने कलेजे के टुकड़े को अबार्शन कराकर नहर में फेंक दिया होगा। वहीं कई लोग यह भी आशंका व्यक्त कर रहे थे कि किसी ने अवैध संबंध के चलते निकले नतीजे को दबाने के लिए इस तरह की हरकत की होगी। लेकिन यह स्पस्ट नहीं हो पा रहा है कि यह नवजात बारगांव की है या फिर आसपास के गांव की है। नहर या मौत का जाल - जिले में नहर का जाल व्यापक मात्रा में फैला हुआ है। जैसे ही नहर में पानी की धार बहती है लोग अक्सर किसी की हत्या कर शव को ठिकाना लगाने के लिए शव को नहर में फेंक देते हैं। बारिश के दिनों में चार महीने में ऐसे मामले बड़ी तादात में सामने आते हैं। फिर रबी फसल के लिए नहर में पानी छोड़ा जाता है तब भी ऐसे मामले बड़ी तादात में सामने आते हैं। ऐसे मामले में पुलिस का टेंशन बढ़ जाता है। क्योंकि ऐसे शव का कफन दफन करना पुलिस के लिए टेंशन भरा हो जाता है।

फेडरेशन ने 11सूत्रीय मांगो को लेकर एसडीएम बिलाईगढ़ को सौंपा ज्ञापन

बिलाईगढ/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के बैनर तले माननीय मुख्यमंत्री छग शासन एवं मुख्य सचिव के नाम एसडीएम बिलाईगढ़ को ज्ञापन सौंपकर 11 सूत्रीय मांगों से अवगत कराया।कमल वर्मा जी प्रदेश संयोजक छग कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन एवं फकीरा यादव जिला संयोजक के निर्देशन में चतुर्थ चरण 18 मार्च 2026 को ब्लॉक मुख्यालय बिलाईगढ़ में अपने अधिकारों की मांग को लेकर कर्मचारियों/अधिकारियों ने नारा लगाते हुए अपनी आवाज बुलंद किये। 11 सूत्रीय मांगे जैसे मोदी की गारंटी के तहत वर्ष जुलाई 2016 से लंबित डीए एरियर्स की राशि कर्मचारियों के जीपीएफखाते में समायोजित करने, चार स्तरीय पदोन्नत समयमान वेतनमान दिया जाए, अर्जित अवकाश नगदीकरण 300दिवस करने,प्रदेश के लिपिकों, शिक्षकों, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास सहित वेतन विसंगतियों को दूर करने, शिक्षकों की प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना कर समस्त सेवा लाभ देने, सहायक शिक्षकों व सहायक पशु चिकित्सा अधिकारियों को त्रिस्तरीय समयमान वेतनमान देने, अनुकम्पा नियुक्ति निःशर्त लागू करने, पंचायत सचिवों का शासकीयकरण करने एवं नगरीय निकाय के कर्मचारियों को नियमित मासिक वेतन देने, सेवानिवृत्त आयु 65 वर्ष करने, दैनिक वेतन भोगी अनियमित संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण करने तथा सेवानिवृत्ति उपरांत संविदा नियुक्ति बंद करने की ज्ञापन देकर छग शासन का ध्यान आकर्षित कराया गया।ज्ञापन के माध्यम से फेडरेशन ने सरकार को अविलंब मांगे पूरी करने निवेदन किया।इस दौरान प्रमुख रूप से छग कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ब्लॉक संयोजक जिला अध्यक्ष समन्वयक संघ भागवत प्रसाद साहू,तहसील संयोजक रामकुमार साहू, ब्लॉक अध्यक्ष समन्वयक संघ डाबर सिंह साहू, लाल जी हिरवानी,कृष्ण कुमार साहू वरिष्ठ एडीईओ,पेखर सुमन रात्रे,भागवत साहू,योगेश साहू, कोमल साहू संतोष श्रीवास, रुपनाथ ध्रुव, मुरलीधर प्रजापति, चैतन्य कुमार साहू, आशीष दुबे, मलेच्छ राम खूंटे, रमेश कुमार पैंकरा,तुलसी प्रसाद देवांगन, यशपाल यादव, विनोद भैना जितेंद्र गोस्वामी, सजन कुमार राकेश आदि सैकड़ों की संख्या में उपस्थित रहें।

जिला पंचायत सदस्य पर अभद्र भाषा का आरोप, वायरल ऑडियो से गरमाई सियासत

वन कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष से गाली-गलौज का आरोप, बरमकेला थाने में शिकायत दर्ज, जांच शुरू

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में एक ऑडियो वायरल होने के बाद सियासी और प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। जिला पंचायत सदस्य हरिहर जायसवाल पर वन कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष हीरालाल चौधरी के साथ अभद्र भाषा और गाली-गलौज करने का गंभीर आरोप लगा है।

जानकारी के अनुसार, दोनों के बीच किसी मुद्दे को लेकर फोन पर बातचीत हुई थी, जिसका कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल ऑडियो में एक पक्ष द्वारा अपशब्दों का प्रयोग किए जाने की बात सामने आ रही है, जिससे मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इस घटना के सामने आने के बाद वन कर्मचारी संघ में आक्रोश का माहौल देखा जा रहा है। संघ के पदाधिकारियों ने इसे कर्मचारियों की गरिमा पर हमला बताते हुए कड़ी निंदा की है और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है।

वहीं, पीड़ित पक्ष की ओर से बरमकेला थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बातचीत के दौरान न केवल अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया, बल्कि मानसिक रूप से भी प्रताड़ित करने का प्रयास किया गया।पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच प्रारंभ कर दी है। थाना प्रभारी के अनुसार, वायरल ऑडियो की सत्यता की जांच की जा रही है और तकनीकी माध्यमों से इसकी पुष्टि की जाएगी। जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इधर, इस पूरे प्रकरण ने राजनीतिक माहौल को भी गर्म कर दिया है। विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर सत्ताधारी पक्ष पर हमलावर हो सकते हैं, जबकि संबंधित जनप्रतिनिधि की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।स्थानीय स्तर पर भी इस मामले को लेकर चर्चा तेज है और लोग प्रशासन से निष्पक्ष जांच एवं त्वरित कार्रवाई की उम्मीद जता रहे हैं।यदि आरोपों की पुष्टि होती है, तो यह मामला जनप्रतिनिधियों की मर्यादा और आचरण पर एक बड़ा सवाल खड़ा कर सकता है। फिलहाल, पूरे घटनाक्रम पर सभी की नजर बनी हुई है और आने वाले दिनों में इस मामले में नए खुलासे होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

राहुल व यामिनी का नवोदय विद्यालय में चयन, खैरगुड़ा स्कूल का गौरव बढ़ाया

बस्तर/मूक पत्रिका

बस्तर विकास खंड कुडगुड़ा संकुल के प्राथमिक शाला खैरगुड़ा के दो मेहनती छात्रों राहुल और यामिनी का नवोदय विद्यालय में चयन हुआ है! यह उपलब्धि लगातार तीसरे साल हासिल हुई है, जो विद्यालय की शिक्षा गुणवत्ता, शिक्षकों की गाइडेंस, और छात्रों की मेहनत का परिणाम है। प्रधान अध्यापक छन्नूराम मंडावी ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा, ÷राहुल और यामिनी ने अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है। हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। यह पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का क्षण है। शिक्षकों की मेहनत और छात्रों की लगन ने यह मुकाम हासिल किया है।÷ विद्यालय के इस शानदार प्रदर्शन पर अभिभावकों और स्थानीय लोगों में खुशी की लहर है। लोगों का कहना है कि खैरगुड़ा स्कूल ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह बस्तर के सबसे अच्छे स्कूलों में से एक है। अभिभावकों ने शिक्षकों की कड़ी मेहनत और लगन की प्रसंशा करते हुए उन्हें भी बधाई दी, और कहा कि यह उपलब्धि न केवल छात्रों की है, बल्कि पूरे विद्यालय परिवार की है।

दूर के गांवों तक अब सीधे पहुंच रहा राशन, 8800 परिवारों को राहत

- कलेक्टर की पहल रंग लाई, ट्रैक्टर से गांव-गांव पहुंच रही खाद्यान्न सामग्री

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। जिले के दूरस्थ और अंदरूनी गांवों में रहने वाले लोगों के लिए अब राशन लेना पहले जैसा मुश्किल नहीं रहा। कलेक्टर संबित मिश्रा की पहल के बाद खाद्य विभाग ने व्यवस्था में बदलाव किया है और अब राशन सीधे गांव तक पहुंचाया जा रहा है। इस नई व्यवस्था के तहत 26 ग्राम पंचायतों के 52 गांवों में ट्रैक्टर के जरिए खाद्यान्न पहुंचाया जा रहा है। राशन को अब पंचायत स्तर पर ही रखा जा रहा है, जिससे करीब 8800 परिवारों को सीधे फायदा मिल रहा है। पहले हालात ऐसे थे कि लोगों को कई किलोमीटर दूर जाकर राशन लेना पड़ता था। इसमें पूरा दिन लग जाता था, ऊपर से आने-जाने का खर्च अलग। अब वही राशन गांव में ही मिल रहा है, तो लोगों को काफी राहत मिली है। कामकानार ग्राम पंचायत में मार्च महीने में ट्रैक्टर से राशन पहुंचाकर बांटा गया। वहीं पीडिया पंचायत के पेदापाल गांव में भी इसी तरह वितरण किया गया। गांव के लोगों का कहना है कि अब उन्हें परेशान नहीं होना पड़ता, समय पर और आसानी से राशन मिल जाता है। खाद्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह व्यवस्था आगे भी जारी रहेगी, ताकि हर पात्र परिवार तक समय पर राशन पहुंच सके।

श्रम विभाग में गड़बड़ीः मृतका का आरोपी पति गिरफ्तार, पति एवं सचिव का नाम आया सामने

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

श्रम विभाग में दिव्यांग सहायता योजना में हुई गड़बड़ी मामले में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। मामले में प्रथम दृष्टया मृतका के पति अशोक पटेल पिता धनीराम तथा रोहित पटेल सचिव ग्राम पंचायत बिर्रा के विरूध्द बीएनएस की धाराओं के तहत जुर्म दर्ज किया गया था। प्रथम दृष्टया पुलिस ने कूट रचना में सहयोग करने वाले आरोपी पति को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय से मिली जानकारी के अनुसार थाना बिर्रा में श्रम पदाधिकारी जांजगीर जिला जांजगीर-चांपा द्वारा लिखित आवेदन पेश करने पर शिकायतकर्ता उपाध्यक्ष जिला पंचायत जिला पंचायत गगन जयपुरिया द्वारा 2 मार्च को पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्ट्रेट कार्यालय में लिखित शिकायत की गई थी कि स्व. सुमन बाई पटेल पति अशोक पटेल निवासी बिर्रा के नाम पर फर्जी पंजीयन कराकर मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना का अनुचित लाभ प्राप्त किए जाने के प्राप्त शिकायत के आधार पर थाना बिर्रा में जांच जारी की गई। साथ ही अतिरिक्त कलेक्टर जांजगीर चांपा के नेतृत्व में जांच के आधार पर प्राप्त प्रतिवेदन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन के कथन एवं मृत्यु पंजी साक्ष्य कथन एवं दस्तावेज के आधार पर मृत्यु 2 जून 2025 को होना संदेहास्पद होना पाया गया। थाना बिर्रा में नामजद अशोक पटेल एवं ग्राम सचिव रोहित पटेल के विरूद्ध धारा 318 4,3, 5 बीएनएस में अपराध पजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। गुरुवार को पुलिस ने मृतिका के पति अशोक पटेल पिता धनीराम को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेज दिया है। अब बिर्रा पुलिस को दूसरा फरार आरोपी रोहित पटेल सचिव ग्राम पंचायत बिर्रा की तलाश है।

कलेक्टर का सख्त रुख-गुणवत्ता और समय-सीमा पर विशेष जोर

जिले मे शिक्षा अधोसंरचना को मिल रही नई रफ्तार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत बनाने और निर्माण कार्यों को समय पर पूरा कराने के उद्देश्य से कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने आज कठिया क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माणाधीन स्कूल भवन, छात्रावास और अन्य शैक्षणिक अधोसंरचना का बारीकी से जायजा लेते हुए अधिकारियों और ठेकेदारों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता में कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल के निर्माण कार्य की समीक्षा-कलेक्टर ने सबसे पहले कठिया में निर्माणाधीन आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन निर्माण की प्रगति, कार्य की गुणवत्ता और निर्माण की गति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। उन्होंने ठेकेदार से सीधे चर्चा कर निर्माण की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि स्कूल भवन के निर्माण में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

छात्राओं की सुरक्षा और सुविधाओं पर विशेष जोर-इसके बाद कलेक्टर ने लक्ष्मण प्रसाद बैद्य कैंपस में निर्माणाधीन गर्ल्स हॉस्टल का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्राओं की सुरक्षा, स्वच्छता और सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि छात्रावास का निर्माण पूरी गुणवत्ता और निर्धारित मानकों के अनुसार किया जाए, ताकि छात्राओं को सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण और कार्य की मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए।

वॉशरूम की साफ-सफाई पर नाराजगी, सुधार के निर्देश-निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पीएम श्री आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल का भी विस्तृत भ्रमण किया। यहां उन्होंने वॉशरूम, केमिस्ट्री लैब, फिजिक्स लैब और लाइब्रेरी का निरीक्षण किया। वॉशरूम की साफ-सफाई की स्थिति पर उन्होंने नाराजगी जताई और तत्काल नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही स्कूल परिसर में रखे पुराने और अनुपयोगी सामान की शीघ्र नीलामी करने के निर्देश भी दिए, ताकि परिसर स्वच्छ और व्यवस्थित बना रहे।

सांस्कृतिक भवन और अतिरिक्त कक्षों का भी लिया जायजा-कलेक्टर ने स्कूल परिसर के पीछे निर्माणाधीन सांस्कृतिक कार्यक्रम भवन और अतिरिक्त कक्षों का निरीक्षण करते हुए कहा कि इस प्रकार की अधोसंरचना विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन कार्यों को भी निर्धारित समय-सीमा में और बेहतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए।

निर्माण कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग के निर्देश-निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों, एसडीओ और जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग और समय-समय पर निरीक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी और निर्माण कार्यों को तेजी से पूर्ण किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को जल्द से जल्द बेहतर सुविधाओं का लाभ मिल सके।

शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचना विकास सर्वोच्च प्राथमिकता-कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर अधोसंरचना विकसित करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्यों को समय-सीमा में और गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए, ताकि जिले के विद्यार्थियों को आधुनिक और सुविधायुक्त शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

जिला पंचायत सदस्य पर गंभीर आरोप: वनरक्षक को फोन पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी, थाने में शिकायत..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले में एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां गोमार्डा अभ्यारण्य में पदस्थ वनरक्षक ने जिला पंचायत सदस्य हरिहर जायसवाल के खिलाफ फोन पर अश्लील गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए बरमकेला थाना में शिकायत दर्ज कराई है। इस घटना के बाद विभागीय अमले में भी हलचल देखी जा रही है।

सरकारी कार्रवाई के बाद बढ़ा विवाद- शिकायत के अनुसार वनरक्षक हीरालाल चौधरी ने बताया कि 12 फरवरी 2026 को चांटीपाली वृत्त के मल्दा परिसर में जंगल क्षेत्र से पत्थर के अवैध परिवहन का मामला सामने आया था। इस दौरान हरिहर जायसवाल के ट्रैक्टर से पत्थर लोडिंग करते हुए पाए जाने पर प्रकरण दर्ज किया गया और आगे की कार्रवाई के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा गया था। इसी कार्रवाई के बाद से विवाद बढ़ने की बात सामने आई है।

फोन कॉल में गाली-गलौज और धमकी का आरोप- वनरक्षक ने आरोप लगाया है कि 15 मार्च 2026 को शाम 4:37 बजे हरिहर जायसवाल ने उन्हें फोन कर अश्लील गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। शिकायत में यह भी कहा गया है कि हरिहर जायसवाल ने बस्तर ट्रांसफर कराने की बात कही और चुनौती देते हुए कहा कि मैं दुबारा झीलगीटार के जंगल से पत्थर निकलूंगा दम है तो पकड़ के दिखाना।

विभागीय कर्मचारियों को लेकर भी अभद्र टिप्पणी- मामले में यह भी सामने आया है कि बातचीत के दौरान वन विभाग के एक अन्य कर्मचारी का नाम लेकर भी अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया गया, जिससे कर्मचारियों में नाराजगी का माहौल है।

खुद को बताया खतरे में, मांगी सुरक्षा- वनरक्षक ने अपनी शिकायत में स्पष्ट कहा है कि आरोपी प्रभावशाली व्यक्ति है और उनसे जान का खतरा है।

उन्होंने आशंका जताई है कि कभी भी उन्हें शारीरिक नुकसान पहुंचाया जा सकता है। ऐसे में उन्होंने पुलिस से सुरक्षा उपलब्ध कराने और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

साक्ष्य के रूप में ऑडियो रिकॉर्डिंग सौंपी- शिकायत के साथ वनरक्षक ने फोन कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग भी पुलिस को सौंपी है। इस साक्ष्य के आधार पर मामले की जांच को अहम माना जा रहा है।

पुलिस जांच के बाद होगी कार्रवाई- वनरक्षक द्वारा बरमकेला थाना में दिए गए आवेदन के बाद अब पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

सरिया से भरी ट्रक में छिपाकर ले जाया जा रहा था गांजा,फरार चालक गिरफ्तार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस की लगातार कार्रवाई के बीच एक बड़े मामले का खुलासा हुआ है। सरिया से भरी ट्रक के नीचे दबाकर गांजा ले जाया जा रहा था, जिसे पुलिस ने जब्त करते हुए फरार आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अपराध एवं मादक पदार्थों की अवैध तस्करी के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा पुलिस ने यह महत्वपूर्ण कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, 3 दिसंबर 2025 को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम बैजी टोल प्लाजा के पास नेशनल हाईवे-30 पर एक ट्रक (छ्त्त 04 रू 6804) पलटी हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने देखा कि ट्रक में सरिया भरा हुआ था और उसके नीचे प्लास्टिक बोरी में संदिग्ध पैकेट दबे हुए थे। जांच करने पर इन पैकेटों में गांजा पाया गया, जबकि चालक मौके से फरार था।

तलाशी के दौरान ट्रक से कुल 83 किलो 950 ग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 8.39 लाख रुपये है। साथ ही लगभग 30 लाख रुपये मूल्य की ट्रक और सरिया भी जब्त किए गए। इस मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख) एवं बीएनएस की धारा 281 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी।

जांच के दौरान फरार आरोपी की पहचान लाला चर्मकार (31 वर्ष), निवासी जिला रीवा (मध्य प्रदेश) के रूप में हुई। आरोपी पहले से ही कबीरधाम जिले के एक अन्य एनडीपीएस मामले में जेल में निरुद्ध था। पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट के जरिए 18 मार्च 2026 को उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला, उप निरीक्षक दीना नाथ सिन्हा सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

पुलिस ने कहा है कि जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा।

चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाओं के साथ शहर कांग्रेस ने जिला अध्यक्ष से की सौजन्य भेंट

बेमेतरा/मूक पत्रिका

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर शहर कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती रश्मि मिश्रा के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा से उनके कार्यालय में सौजन्य भेंट की। इस दौरान शहर कांग्रेस के सभी पदाधिकारियों ने आशीष छाबड़ा का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया तथा संगठन में जिम्मेदारी देने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। पदाधिकारियों ने संगठन को और मजबूत बनाने, कार्यप्रणाली को प्रभावी करने एवं आमजन से जुड़ाव बढ़ाने को लेकर उनसे मार्गदर्शन भी प्राप्त किया। जिला अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने सभी पदाधिकारियों को चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे आपसी समन्वय, अनुशासन और संगठन की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए पूरी निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी पदाधिकारी मिलकर संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए समाज में सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। इस अवसर पर शहर कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

साल्हेओना में बिजली बिल समाधान शिविर का आयोजन, पहले दिन ही उपभोक्ताओं ने दिखाया उत्साह..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 के तहत क्षेत्र में राहत का माहौल देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में ग्राम साल्हेओना स्थित विद्युत सबस्टेशन परिसर में समाधान शिविर का आयोजन किया गया, जहां बड़ी संख्या में उपभोक्ता योजना का लाभ लेने पहुंचे। गौरतलब है कि 12 मार्च को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत की गई थी। इसके बाद पूरे छत्तीसगढ़ में विद्युत विभाग द्वारा लगातार समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को योजना का लाभ मिल सके।

किन उपभोक्ताओं को मिल रहा लाभ- इस योजना के तहत निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के साथ-साथ कृषि उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी जा रही है। एकल बत्ती, घरेलू और कृषि पंप कनेक्शन वाले ऐसे उपभोक्ता जिनके 31 मार्च 2023 तक के बिजली बिल बकाया हैं, उन्हें विशेष छूट दी जा रही है। इसमें सरचार्ज पूरी तरह माफ किया जा रहा है और मूल राशि में भी आंशिक छूट दी जा रही है।

पहले ही दिन दिखा अच्छा प्रतिसाद- साल्हेओना शिविर में पहले दिन ही 10 हितग्राहियों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 9 लोगों ने मौके पर ही अपने बकाया बिजली बिल का भुगतान कर दिया। वहीं 20 से अधिक लोग शिविर में पहुंचकर योजना की जानकारी लेते नजर आए।

सरकार की पहल से उपभोक्ताओं को राहत- जिला भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी चूड़ामणि पटेल ने कहा कि यह योजना प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत लेकर आई है। सरकार का उद्देश्य है कि लोग अपने पुराने बकाया बिल आसानी से जमा कर सकें और बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके। इस दौरान विद्युत विभाग के कनिष्ठ यंत्री किशन कुमार भोई, लाइनमैन मनोज सिदार, अजय सोनवानी, जयकिशन भगत सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। साथ ही उपसरपंच प्रदीप पटेल और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपभोक्ता भी शिविर में शामिल हुए।

जिला CEO का एक्शन मोड–अनियमितताओं पर करारा वार, दोषियों पर सख्त कार्रवाई तय!

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिला पंचायत के निर्देश पर स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामी एचवीण) के तहत किए गए निरीक्षण में चौंकाने वाली अनियमितताएं सामने आई हैं। इंद्रजीत बर्मन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सारंगढ़ के निर्देश पर जिला समन्वयक निमिष कुमार साव द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित सामुदायिक शौचालयों का भौतिक सत्यापन किया गया, जिसमें विकासखंड बरमकेला और बिलाईगढ़ के कई गांवों में भारी गड़बड़ी उजागर हुई।

इन गांवों में सामने आई गड़बड़ी

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कई स्थानों पर अधूरे शौचालयों को पूर्ण दिखाकर उनका मूल्यांकन कर दिया गया। जिन गांवों में अनियमितता सामने आई, उनमें शामिल हैं,जांच में पाया गया कि विकासखंड बरमकेला अंतर्गत लक्ष्मी जांगड़े सहायक अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा एवं तकनीकी सहायक योगेश देवांगन द्वारा ग्राम पंचायत बारादावन में, कोमल सिंह मरकाम द्वारा ग्राम सावतकुंत , मिथलेश बंजारे द्वारा ग्राम सेमिकोट , लामिपाली, जालाकोना एवं अमलीपाली, तथा नवल किशोर सिदार द्वारा ग्राम डोंगरीपाली, रंगाडीह, गोरडीह, परसकोल, सिंघारी, कुम्हारी, मेडरा में अपूर्ण शौचालयों को पूर्ण दर्शाकर उनका मूल्यांकन किया गया। इसी प्रकार विकासखंड बिलाईगढ़ अंतर्गत सहायक अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा आकाश देवांगन एवं तकनीकी सहायक लकेश्वर महिलाने द्वारा ग्राम ठाकुरदिया, बरभांठा,छन्नूलाल टंडन ग्राम दाउबंधान,घोघरी,धौराभांठा, ओम साहू ग्राम बेलमुंडी, रामसिंह आजाद, लखुर्रीडीह, शिवरंजन नवरंगे , ग्राम पचपेड़ी, खुरदरहा में भी अपूर्ण शौचालयों को पूर्ण दर्शाकर मूल्यांकन किया गया। यह कृत्य न सिर्फ शासकीय नियमों का उल्लंघन है, बल्कि गुणवत्ता और पारदर्शिता के सिद्धांतों के भी विपरीत है।

जिम्मेदार अधिकारियों पर गिरी गाज

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पंचायत प्रशासन ने संबंधित तकनीकी सहायकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है। सभी अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

सख्त कार्रवाई की चेतावनी

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि इस तरह की लापरवाही और कर्तव्यहीनता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो संबंधितों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जनता को मिलेगा गुणवत्ता का भरोसा

जिला पंचायत प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार ही पूरे किए जाएंगे,ताकि आम जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और सरकारी योजनाओं का सही लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। अब देखना होगा कि इस बड़े खुलासे के बाद जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई होती है और क्या सच में जमीनी स्तर पर सुधार देखने को मिलता है या नहीं।

स्वास्थ्य विभाग ने हसौद के बंगाली झोलाछाप डॉक्टर के किलिनिक पर दिया दबीस।

सक्ती/मूक पत्रिका

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला सक्ती द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जिले में अवैध रूप से संचालित क्लीनिक एवं बिना पंजीयन मरीजों का उपचार करने वाले झोलाछाप डॉक्टरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। यह कार्रवाई जिला प्रशासन के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पूजा अग्रवाल के निर्देश पर की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा तहसील स्तर पर औचक निरीक्षण कर विभिन्न क्षेत्रों में जांच की गई। इस दौरान जैजैपुर विकासखंड के अंतर्गत लगभग 15-20 किमी दूर स्थित एक ग्राम में बिना मान्यता प्राप्त चिकित्सक द्वारा मरीजों का उपचार किए जाने का मामला सामने आया। टीम ने मौके पर संबंधित व्यक्ति को इलाज करते हुए पाया, जिसके बाद तत्काल क्लीनिक बंद कराया गया तथा आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई। जांच के दौरान यह भी पाया गया कि संबंधित व्यक्ति बिना किसी वैध डिग्री एवं पंजीयन के लंबे समय से चिकित्सकीय कार्य कर रहा था, जिससे मरीजों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ हो रहा था। विभाग की टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संचालित चिकित्सा गतिविधियों को तत्काल बंद कराया। सीएमएचओ डॉ. पूजा अग्रवाल ने कड़े निर्देश देते हुए कहा है कि जिले में बिना वैध डिग्री एवं पंजीयन के किसी भी प्रकार का चिकित्सा कार्य करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सभी खंड चिकित्सा अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी रखते हुए इस प्रकार की गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे उपचार के लिए केवल पंजीकृत एवं अधिकृत चिकित्सकों से ही संपर्क करें। किसी भी प्रकार के अवैध क्लीनिक या अप्रमाणित चिकित्सकीय गतिविधियों की जानकारी मिलने पर तत्काल स्वास्थ्य विभाग को सूचित करें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

इसमें अलग-अलग प्रकार के फॉर्मेट और कई भाषाओं में बनी सीरीज़ और फिल्में शामिल हैं।

प्राइम वीडियो प्रेज़ेंट्स 2026: प्राइम वीडियो ने अब तक की अपनी सबसे बड़ी भारतीय ओरिजिनल्स स्लेट पेश की

जित मुम्बई/मूक पत्रिका

भारत में दर्शकों के मनोरंजन के सबसे पसंदीदा डेस्टिनेशन, प्राइम वीडियो ने आज अपने 'प्राइम वीडियो प्रेज़ेंट्स' कार्यक्रम में अब तक की सबसे बड़ी नई ओरिजिनल सीरीज़ और फिल्मों की घोषणा की। इसमें लगभग 55 नई सीरीज़ और फिल्में शामिल हैं। इसमें भारतीय ओरिजिनल कंटेंट की बड़ी सूची के साथ-साथ एमेज़ॅन एमजीएम स्टूडियोज़ इंडिया की थिएटर में रिलीज़ होने वाली फिल्मों और कई बड़ी लाइसेंस्ड फिल्मों की भी घोषणा की गई। यह आने वाला बहु-भाषा कंटेंट दर्शकों को हर जगह–स्ट्रीमिंग से लेकर सिनेमा तक मनोरंजन देगा । इस स्लेट में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में कई ज़बरदस्त ओरिजिनल सीरीज़ और फ़िल्में शामिल हैं। इनमें स्क्रिप्टेड और अनस्क्रिप्टेड, दोनों तरह की कहानियों के अलग-अलग जॉनर देखने को मिलेंगे। इसमें कई नई और बहुप्रतीक्षित टाइटल्स शामिल हैं, जैसे निक्खिल आडवाणी की महान रचना द रिवोल्यूशनरीज़, जिसमें भुवन बाम, रोहित सराफ, प्रतिभा रांटा और गुरफत्तेह पिरज़ादा नजर आएंगे; मटका किंग जिसमें विजय वर्मा हैं; राख जिसमें अली फज़ल, सोनाली बेंद्रे और आमिर बशीर हैं; लुक्खे, जिसमें रैपर किंग पहली बार एक्टिंग करते दिखेंगे; और वंश ङ्क द कलयुग वॉरियर्स, जो भारत की पहली हिंदी सुपरहीरो सीरीज़ है, खास तौर पर स्ट्रीमिंग के लिए बनाई गई है। इन नई रिलीज़ के साथ-साथ, इस लाइनअप में भारत की कुछ सबसे लोकप्रिय सीरीज़ के नए सीज़न भी वापस आ रहे हैं। इनमें 'फ़र्ज़ी' सीज़न 2, 'पंचायत' सीज़न 5, 'कॉल मी बे' सीज़न 2, 'दुपहिया' सीज़न 2, 'दहाड़' सीज़न 2 और ' द ट्रेटर्स' सीज़न 2 जैसी कई सीरीज़ शामिल हैं। अपने अब तक के सबसे बड़े क्षेत्रीय कंटेंट विस्तार के साथ, यह लाइनअप क्षेत्रीय कहानी कहने को नई ऊंचाइयों पर ले जाता है। इसमें कई बड़े लॉन्च शामिल हैं, जैसे लोकप्रिय हिंदी अनस्क्रिप्टेड सीरीज़, द ट्रेटर्स का तेलुगु संस्करण, जिसमें तेजा सज्जा होस्ट के रूप में नजर आएंगे; गुव्वला चेरुवु घाट, जो कि किरण अब्बावरम और थिरुवीर अभिनीत एक तेलुगु ड्रामा है; इसके अलावा तमिल ड्रामा एग्जाम, पुष्कर और गायत्री द्वारा निर्मित वधांधी का सीज़न 2, और इंस्पेक्टर ऋषि का सीज़न 2 भी इस सूची में शामिल हैं। इस लाइनअप में प्राइम वीडियो के लिए कई नए बड़े सहयोग भी शामिल हैं। ऋतिक रोशन की एचआरएक्स फिल्म्स अब पहली बार स्ट्रीमिंग की दुनिया में कदम रख रही है, जिसमें ओरिजिनल सीरीज़ स्टॉर्म और ओरिजिनल फिल्म मेस शामिल हैं। वहीं आलिया भट्ट की इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस भी ओरिजिनल फिल्म डोंट बी शाय लेकर आ रही है। अनुभवी कहानीकारों और नए उभरते क्रिएटर्स का यह मिश्रण अब भारत और दुनिया भर के दर्शकों के लिए मनोरंजन का नया अनुभव तैयार कर रहा है। इस लाइनअप की एक खास झलक एमेज़ॅन एमजीएम स्टूडियो की थिएटर में रिलीज़ होने वाली फिल्मों की घोषणा भी रही, जिसमें पांच नई भारतीय फिल्में शामिल हैं: रफ्तार, जिसमें राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश हैं, और इसका निर्देशन आदित्य निम्बालकर ने किया है; कुनाल खेमू की डायरेक्टोरियल फिल्म वाइब, जिसमें खुद कुनाल खेमू, प्रीति जी जिंटा और स्पर्श श्रीवास्तव नजर आएंगे; दिलकशी, जिसका निर्देशन लिजो जोस पेलिसरी ने किया है, प्रोड्यूस हंसल मेहता और साहिल सैगल ने किया है, और इसका म्यूजिक ए.आर. रहमान ने दिया है; नई नवेली, जिसमें यामी गौतम हैं, निर्देशन बालाजी मोहन का है और प्रोड्यूसर आनंद एल. राय हैं; और कुकू की कुंडली, जिसका निर्देशन शरण शर्मा ने किया है और इसमें भुवन बाम और वामिका गब्बी नजर आएंगे। सिर्फ थिएटर रिलीज़ ही नहीं, इस लाइनअप में कई भारतीय भाषाओं की लाइसेंस्ड फिल्मों की भी बड़ी सूची शामिल है, जो थिएटर में रिलीज़ होने के बाद प्राइम वीडियो पर डिजिटल प्रीमियर के रूप में आएंगी। यह दर्शकों को एक दमदार और सिनेमाई अनुभव देने का वादा करता है। ÷यह स्लेट प्राइम वीडियो इंडिया के नए दौर की शुरुआत को दर्शाती है और अद्वितीय कंटेंट विविधता प्रदान करती है,÷ शिलांगी मुखर्जी, डायरेक्टर एवं हेड ऑफ स्ड्ढह्ष्ठ बिज़नेस, प्राइम वीडियो इंडिया ने कहा। ÷भारत, प्राइम वीडियो की वैश्विक वृद्धि के केंद्र में बना हुआ है और 2025 में नए प्राइम सदस्यों को जोड़ने के मामले में यह दुनिया के टॉप क्षेत्रों में से एक है। हमारे लगभग दो-तिहाई ग्राहक चार से अधिक भाषाओं में कंटेंट देखते हैं, जो विविध कहानी कहने की बढ़ती मांग को दर्शाता है। और हमारा भारतीय कंटेंट वैश्विक स्तर पर भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो रहा है – 2025 में सबसे अधिक देखे गए टॉप 50 गैर-अंग्रेज़ी टाइटल्स में से आधे से अधिक प्राइम वीडियो इंडिया से थे।÷

÷प्राइम वीडियो ने लगातार उद्योग में नवाचार का नेतृत्व किया है और साहसिक कहानी कहने को समर्थन दिया है। देश की अपार रचनात्मक प्रतिभा पर हमारे विश्वास ने हमें न केवल उभरती आवाज़ों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करने में सक्षम बनाया है, बल्कि भारत के सबसे प्रतिष्ठित रचनाकारों के साथ मजबूत संबंध भी विकसित किए हैं,÷ प्राइम वीडियो इंडिया के डायरेक्टर एवं हेड ऑफ ओरिजिनल्स, निखिल मधोक ने कहा। ÷हम अपने आगामी स्लेट को प्रस्तुत करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं, जो अब तक का हमारा सबसे बड़ा ओरिजिनल लाइनअप है, साथ ही एमेज़ॅन एमजीएम स्टूडियोज़ इंडिया की रोमांचक थिएटर फ़िल्मों की सूची भी इसमें शामिल है। हम उच्च-गुणवत्ता वाली कहानी कहने के मानकों को लगातार ऊंचा कर रहे हैं, ऐसी कथाओं के साथ जो सांस्कृतिक रूप से जुड़ी हुई, सहज रूप से समझने योग्य और वैश्विक स्तर पर आकर्षक हैं।÷

संपादकीय

स्थिर आय के बीच बेकाबू होती रसोई की कीमतें

फरवरी में खुदरा महंगाई बढ़कर 3.21 प्रतिशत हो गई है। स्थिर आय के बीच खाने-पीने की चीजों के बढ़ते दाम और पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण तेल आपूर्ति बाधित होने से आम आदमी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जब किसी भी तरह के रोजगार से आय का स्तर ठहरा हुआ हो, जरिया सीमित हो, तो आम आदमी की उम्मीद यही होती है कि बाजार में जरूरी वस्तुओं की कीमतें उसकी पहुंच में हों या फिर कम से कम स्थिर रहें। मगर पिछले कुछ वर्षों से आमदनी की तुलना में रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए लोगों को जितना खर्च करना पड़ रहा है, वह कई बार भारी पड़ता है।माना जाता है कि दिसंबर से फरवरी तक की अवधि में बाजार में सब्जियों की आवक ज्यादा होने की वजह से महंगाई काबू में रहेगी। मगर सरकार की ओर से जारी ताजा आंकडों के मुताबिक, देश में खुदरा महंगाई फरवरी में बढ़ कर 3.21 फीसद हो गई। हालांकि जनवरी में यह 2.74 फीसद के स्तर पर रही थी। जाहिर है, सिर्फ एक महीने के भीतर जरूरी वस्तुओं की कीमतों में तेज इजाफा हुआ और यह पिछले दस महीने के सबसे उच्च स्तर पर दर्ज किया गया।कहा जा सकता है कि फरवरी के आंकड़े के मुताबिक महंगाई दर चार फीसद से नीचे है, लेकिन यह भी देखने की जरूरत है कि कीमतों के संदर्भ में जरूरी सामान तक आम लोगों की पहुंच किस हद तक आसान है। यह छिपा नहीं है कि रोजगार और आय की कसौटी पर देश की ज्यादातर आबादी के लिए स्थिति अब भी संतोषजनक नहीं है। लंबे समय से स्थिर आमदनी और कमजोर क्रयशक्ति की स्थिति में जब सबसे जरूरी चीजों पर लोगों का खर्च थोड़ा भी बढ़ता है, तो उसके लिए मुश्किलें पैदा होती हैं।फरवरी में महंगाई के आंकड़ों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण दरअसल खाने-पीने की चीजों के दामों में बढ़ोतरी रहा। खुदरा महंगाई से इस बात का पता चलता है कि ग्राहकों की खपत और खर्च की स्थिति क्या है। इसी वजह से रिजर्व बैंक अपनी नीति तय करते समय खुदरा महंगाई को ही अपना आधार बनाता है। अगर खुदरा महंगाई की दर उसके तय दायरे यानी चार फीसद के बाहर चली जाती है तो फिर कर्ज के सस्ता होने की उम्मीद भी कम हो जाती है।महंगाई के ताजा आंकड़े फरवरी के हैं, जब पश्चिम एशिया में युद्ध के हालात नहीं थे। अब पिछले कुछ दिनों से जिस तरह ईरान के खिलाफ इजराइल और अमेरिका की साझा जंग चल रही है, उसका बाजार में थोक और खुदरा महंगाई पर क्या असर पड़ेगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। दरअसल, युद्ध की वजह से तेल की सहज आपूर्ति को लेकर पहले ही कई तरह की आशंकाएं उभर रही थीं कि इस बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के समुद्री मार्ग को बाधित कर दिया।इसके बाद उस रास्ते से भारत में भी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति व्यापक पैमाने पर बाधित हुई है और इसका असर बाजार पर पड़ना तय माना जा रहा है। फिलहाल खाना पकाने वाले गैस की कीमत में इजाफा और गैस सिलेंडरों की कमी की आशंका में लोगों के बीच मची अफरा-तफरी देखी जा सकती है।

अमेरिका की शह पर सीरिया के शासक के खिलाफ बशर अल-असद के शासन के खिलाफ कार्रवाई जारी रही। सीरिया में तेरह वर्षों तक खूनी गृहयुद्ध चलता रहा। इसके बाद हार कर सात दिसंबर 2024 को विद्रोही ताकतों ने दमिश्क पर कब्जा कर लिया और बशर अल-असद के शासन का पतन हो गया। तब से लेकर सीरिया जल रहा है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद कुछ अपवादों को छोड़ दें तो दुनिया ने सभ्य होने की तरफ लगातार कदम बढ़ाए। लेकिन इक्कीसवीं सदी का चौथाई हिस्सा बीतने के बाद लग रहा है कि एक बार फिर दुनिया आधुनिकता की चादर लपेटे मध्य युगीन बर्बरता की ओर बढ़ रही है। 28 फरवरी, 2026 को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद ऐसी सोच वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला रूहोल्लाह मुसावी खोमैनी समेत कई सैन्य अधिकारियों की मौत ने दुनिया को एक बार फिर हिलाकर रख दिया है। दुनिया के कमजोर देश एक बार फिर आशंकित हो उठे हैं। उन्हें यह डर सताने लगा है कि अमेरिका के खिलाफ अगर उन्होंने नीतियां अपनाईं तो हो सकता है कि अमेरिका अपने तरीके से योजना बनाकर उस पर हमला कर दे।

अमेरिकी कार्रवाई के बाद गड़बड़ाई विश्व व्यवस्था

(उमेश चतुर्वेदी)

अमेरिका ने ईरान पर हमले के लिए जिन कारणों को गिनाया है, उनमें सबसे प्रमुख कारण है, ईरान के परमाणु कार्यक्रम रोकना, ईरान की मिसाइल क्षमताओं को खत्म करना और वहां की मौजूदा शासन व्यवस्था को बदलना है। अमेरिका ने तर्क दिया है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने के करीब था, जो दुनिया और क्षेत्रीय सहयोगियों के लिए एक अस्वीकार्य सुरक्षा खतरा है। ट्रंप का कहना है कि ईरान ने अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं को त्यागने के हर अवसर को ठुकरा दिया था। ट्रंप का यह भी कहना है कि उसके ऑपरेशन एपिक फ्यूरी का उद्देश्य ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल सुविधाओं और नौसैनिक संपत्तियों को पूरी तरह नष्ट करना है।

यह ठीक है कि अयातुल्ला खोमैनी की अगुआई वाले ईरान में इस्लामिक शासन व्यवस्था काम कर रही है, जिसे उसके नागरिकों के बड़े वर्ग का समर्थन हासिल नहीं था। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि ईरान की संप्रभुता को चोट पहुंचाई जाए। अमेरिका ने वही किया है। अगर ईरान की जनता अयातुल्ला खोमैनी के शासन को खत्म करती तो और बात होती, लेकिन अमेरिकी हमले में खोमैनी का मारा जाना दूसरे तरह की बात है। इससे आने वाले दिनों में कई खतरे उत्पन्न होंगे। ईरान पर हमले के बाद यह आशंका बढ़ गई है कि अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ दुनिया में क्रोध पनपे। यह भी हो सकता है कि आतंकी घटनाएं बढ़ें। गुरिल्ला युद्ध और ईरान समर्थित ताकतों द्वारा आतंकवाद के मुखौटे में अमेरिका और उसके समर्थकों को निशाना बनाया जाए। इससे दुनिया की चिंताएं बढ़ना अस्वाभाविक नहीं है।

अमेरिका की सैन्य कार्रवाइयों का हालिया इतिहास बताता है कि उनका घोषित उद्देश्य पूरा नहीं हुआ। नौ सितंबर 2011 को न्यूयार्क के ट्विन टॉवर पर हमले के बाद अमेरिका ने आतंकवाद का खात्मा करने के लिए अफगानिस्तान स्थित तालिबान और अलकायदा पर कार्रवाई की थी, उस अफगानिस्तान में अब तालिबान का शासन फिर से स्थापित हो चुका है। अफगानिस्तान को छोड़कर भागने का फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति रहते जो बाइडेन ने लिया था। अफगानिस्तानी तालिबान पर हमले का एक मकसद वहां लोकतंत्र की स्थापना थी, लेकिन अब वहां तालिबान का इस्लामी शासन है और अमेरिका किनारे है। दिलचस्प यह है कि अफगानिस्ता के खिलाफ कार्रवाई के लिए जिस पाकिस्तान ने अमेरिका को सहयोग दिया था, वह पाकिस्तान अब अफगानिस्तान से जूझ रहा है।

इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन के खिलाफ अमेरिका ने अपने सहयोगी देशों के साथ सैन्य कार्रवाई शुरू की। उसका बहाना इराक के पास व्यापक जनसंहार के रासायनिक हथियार होने को बनाया गया। दिलचस्प यह है कि इराक में सद्दाम हुसैन का शासन खत्म हो गया। तीस दिसंबर 2006 को उन्हें फांसी पर अमेरिका समर्थित न्याय तंत्र के जरिए लटका दिया गया, लेकिन इराक में अब तक ना तो लोकतंत्र आ पाया है और न ही शांति।

कुछ इसी तरह साल 2011 में लीबिया में अमेरिका ने सैन्य हस्तक्षेप किया। तब अमेरिका का उद्देश्य लीबिया के तानाशाह कर्नल मुअम्मर गद्दाफी के खिलाफ हुए नागरिक विद्रोह को समर्थन देकर लीबिया में लोकतंत्र की स्थापना करना था। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव को जरिया बनाया गया। इसके बाद 19 मार्च 2011 को अमेरिका ने अपने कुछ सहयोगी देशों के साथ मिलकर हवाई हमले और मिसाइल हमले शुरू किए। तब से लेकर अब तक अमेरिका में कार्रवाई जारी है। अमेरिकी विशेष बलों ने बेंगाज़ी में 2012 के लीबिया के अमेरिकी राजनयिक मिशन पर हमले के आरोपी अहमद अबू खट्टाला को गिरफ्तार किया। इसके बाद अमेरिका ने 2015 से लेकर 2019 के बाद तक आईएसआईएस और अल-कायदा के खिलाफ ड्रोन और हवाई हमले जारी रखे। जबकि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बीच लीबिया के ही लोगों के हाथों तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी 20 अक्टूबर 2011 को मारे जा चुके थे। भीड़ ने उन्हें उनके गृह नगर सिर्त में पकड़ा गया और वहीं उनकी हत्या कर दी गई। तब से लेकर लीबिया अब भी जल रहा है और वहां शांति और लोकतंत्र अब तक इंतजार कर रहे हैं।

अमेरिका की शह पर सीरिया के शासक के खिलाफ बशर अल-असद के शासन के खिलाफ कार्रवाई जारी रही। सीरिया में तेरह वर्षों तक खूनी गृहयुद्ध चलता रहा। इसके बाद हार कर सात दिसंबर 2024 को विद्रोही ताकतों ने दमिश्क पर कब्जा कर लिया और बशर अल-असद के शासन का पतन हो गया। तब से लेकर सीरिया जल रहा है। हाल ही में वेनेजुएला के शासक निकोलस मादुरो को अमेरिकी सैनिकों ने तीन जनवरी 2026 को गिरफ्तार कर लिया। तब से वे अमेरिकी कैद में हैं और वहां नया शासन स्थापित हो गया है। अमेरिका दावा करता है कि वह लोकतांत्रिक देश है। वह पूरी दुनिया में अपनी तरह लोकतंत्र स्थापित करने का दावा करता है। लेकिन जहां भी वह कार्रवाई करता है, वहां लोकतंत्र आते हुए नहीं दिखता। ईरान में भी कुछ वैसा ही हो सकता है। यही वजह है कि अमेरिकी दादागिरी के खिलाफ विश्व के बड़े हिस्से में क्षोभ है। ट्रंप के दौर में ऐसी कार्रवाइयों से विश्व आर्डर गड़बड़ा गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ किनारे बैठ घटनाओं को होते देखभर रहा है।

अमेरिका की निगाह बहुत पहले से ईरान पर है। भूराजनीतिक मामलों के कुछ जानकारों का मानना है कि ईरान पर अमेरिकी हमला चीन की ताकत को रोकने की कोशिश भी है। इसकी वजह यह है कि चीन अपने तेल का तकरीबन नब्बे प्रतिशत हिस्सा ईरान से ही आयात करता रहा है। ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले के बाद चीन की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने लगा है। चीन ने अपने दफ्तरी कामकाज में कटौती करने का ऐलान किया है। पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे राष्ट्रों में तो सरकारी दफ्तरों के लिए काम करने वाली गाड़ियों की संख्या को आधा कर दिया गया है और वहां दफ्तरों को हफ्ते में सिर्फ चार दिन खोलने का आदेश दिया गया है। इसके साथ ही वहां स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। भारत में भी युद्ध का असर दिखने लगा है। सरकार ने यहां पच्चीस दिनों बाद ही दूसरा एलपीजी सिलिंडर बुक करने का नियम लागू कर दिया है। भारत के सॉफ्टवेयर शहर बेंगलुरू के पेइंग गेस्ट अकोमोडेशन के खाने में कटौती के नोटिस वहां रह रहे युवाओं को मिल रहे हैं। कहा जा रहा है कि वहां घरेलू गैस की कमी हो गई है, इस वजह से वहां पीजी में रोटी, पूरी या पुड़ी और इस तरह के खाने की चीजें नहीं मिलेंगी, सिर्फ दाल-चावल से लोगों को काम चलाना होगा। हालांकि सरकार का कहना है कि उसके पास तेल और गैस का पर्याप्त भंडार है। लेकिन उसने घरेलू गैस की कीमतों में साठ रूपए प्रति सिलिंडर और औद्योगिक गैस की कीमतों में 116 रूपए की बढ़ोतरी कर दी है। इससे देश में उहापोह और अफरातफरी जैसे हालात बनते नजर आ रहे हैं।

जिस तरह रूस और यूक्रेन का युद्ध खत्म होता नजर नहीं आ रहा है, ईरान पर हमले भी थमते नजर नहीं आ रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार कह रहे हैं कि अगर ईरान ने समर्पण नहीं किया तो ईरान पर बीस गुना ज्यादा ताकत से अमेरिका हमला करेगा। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू बार-बार कह रहे हैं कि ईरान में सत्ता परिवर्तन वहां की जनता को ही करना है। एक तरह से वहां की शासन व्यवस्था को बदलने के लिए लोगों को युद्ध से उपजी परिस्थितियों के बीच उकसाया जा रहा है।

सवाल यह है कि इससे अमेरिका और इजरायल को क्या फायदा होगा। सीधे तौर पर अमेरिका भले ही स्वीकार न करे, लेकिन यह तय है कि इस युद्ध के बाद अमेरिका का खाड़ी के तेल भंडारों पर नियंत्रण हो जाएगा। जहां तक इजरायल की बात है तो ईरान के कमजोर होने के बाद स्थानीय भू राजनीतिक माहौल में उसकी ताकत बढ़ जाएगी और वह पश्चिमी एशिया में बिना किसी अवरोध और चिंता के आगे बढ़ता रहेगा।

अमेरिका को लेकर कहा जा रहा है कि अगर ट्रंप नहीं होते तो युद्ध नहीं होता। अमेरिका को लेकर लोगों को अपनी यह सोच बदलनी होगी। चाहे रिपब्लिकन हों या डेमोक्रेट, वे अमेरिका के वर्चस्व को बनाए रखने के लिए पूरी ताकत लगाते हैं। जार्ज बुश जूनियर ने ढाई दशक पहले इराक और अफगानिस्तान पर हमला जब किया था, तब उन्होंने एक तरह से पूरी दुनिया पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि या तोआप अमेरिका की तरफ हैं या फिर आतंक की तरफ। चूंकि न्यूयार्क के ट्रेड टावर पर हमले की घटना के बाद बुश ने ऐसा कहा था, इसलिए किसी देश ने खुलकर इसका विरोध नहीं किया। तब बुश डेमोक्रेट थे, और अब रिपब्लिकन ट्रंप हैं। दोनों की नीतियों में कम से कम हमले को लेकर कोई अंतर नहीं है। तब बुश ने इराक, यमन और अफगानिस्तान को तबाह किया था, अब ट्रंप ईरान को कर रहे हैं। ट्रंप के बारे में माना जाता है कि अपनी ही डेमोक्रेटिक पार्टी में वे लोकप्रिय नहीं हैं। शायद इसे ही देखते हुए कुछ रिपब्लिकन सांसदों ने अमेरिकी कांग्रेस में युद्ध के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया था, लेकिन यह प्रस्ताव गिर गया। इससे साफ है कि अमेरिका कम से कम खुद को आगे रखने और उसके लिए युद्ध करने को कोई गुनाह नहीं मानता। सत्ता चाहे डेमोक्रेट के पास हो या फिर रिपब्लिकन पार्टी के पास। यह बात और है कि ईरान की तरफ से दागी जा रही मिसाइलों की जद में सऊदी अरब, बहरीन आदि देश भी हैं।

ईरान के खिलाफ अमेरिकी और इजरायली कार्रवाई के बाद दुनिया एक बार फिर दहशत और मध्ययुगीन हिंसक समाज की ओर बढ़ती नजर आ रही है। एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ की उपयोगिता और जरूरत सवालों के घेरे में है। ऐसे में दुनिया का अगला कदम क्या हो, इस पर कोई ठोस राय नहीं दिख रही है। युद्ध हर हाल में रोका जाना चाहिए, लेकिन युद्ध को रोक पाना मामूली इंन्सानों और तमाम देशों के राजनेताओं में नहीं हैं।

बहस का गिरता स्तर- समाधान का जरिया या सिर्फ ऊर्जा की बर्बादी?

(पूनम पांडे)

मनुष्य हमेशा एक ही भाव में मुश्किल से ही दिखता है। वह कभी खुश कभी नाखुश है। कभी मुखर तो कभी मौन। कभी चुस्त-दुरुस्त तो कभी आलसी और सुस्त। कभी स्वस्थ तो कभी अस्वस्थ। कभी कंजूस तो कभी खर्चीला। यह इंद्रधनुषी रंग हर जगह देखने को मिल जाते हैं। इसे हर कोई स्वीकार भी कर लेता है।

एक कहावत भी है कि इंसान अपने वातावरण के जैसा ही बन जाता है। रोजाना महसूस हो रही जीवनशैली की उजली-धुंधली चित्रकारी आदमी के मन में बैठकर उसका व्यवहार बनने लगती है।

इसीलिए एक आदत आजकल के लोगों में बहुतायत से देखने को मिल रही है। वह है बात-बात पर बहस और नाहक वाद-विवाद। हर बात पर तकरार का संस्कार सब पर हावी होता जा रहा है।

अगर आभासी दुनिया की बात की जाए, तो वहां भी हालात इसी तरह के हैं। एक ने सोशल मीडिया पर अपनी वाल कुछ लिखा, तो दूसरे को अखर जाता है। तीसरा उस पर खुलेआम अपशब्द लिख देता है। चौथा तो पांच, छह, सात अपनी ही मानसिकता वालों को आवाज देकर बुलाता है। उसके बाद गरमागरम बहस और तानेबाजी चल पड़ती है।

जमीन के जगत में आप रेलगाड़ी में यात्रा कर रहे हों, तो चार लोग बिना बात के ऊल-जलूल बोलने लगते हैं। आभासी दुनिया का ज्ञान उलीचने लगते हैं। चारों तरफ से बहस ही बहस हो रही होती है। सड़क पर, बस, मेले, जुलूस में या किसी सामाजिक समारोह में, हर जगह यह आम बात होती जा रही है।

वहीं ऐसे भी लोग हैं जो अपने घर में मौनी साधक बनकर चुप बैठे रहते हैं, लेकिन घर की चारदिवारी से बाहर निकलकर वे लोग भी अपने दिमाग का तरकश लेकर तैयार रहते हैं और फिर बातों के तीर चलाने से जरा भी बाज नहीं आते हैं। यानी हर जगह हर किसी को बहस करना तथा उलझना मजेदार लगने लगा है।

दरअसल, टीवी बहसों ने भी लोगों को झगड़ालू-सा बना दिया है। आजकल चैनलों की बाढ़ इस कदर आ गई है कि कोई व्यक्ति इनकी भाषा और बोली से अछूता नहीं रहा है। परिणाम यह है कि अब हर किसी को औरों से तीखी बात करने में अपने सामने वाले से नोकझोंक करने में ही बहुत रस आने लगा है। न जाने यह कौन-सा तनाव है, उलझन है, बेचैनी है कि लोग बात-बात पर बहस करने लगते हैं।

एक दिन तो एक चौराहे पर एक कूरियर वाला संबंधित पते पर गया। उसने पार्सल देते हुए बस इतना ही कहा कि 'ओटीपी' दीजिए। इस पर पार्सल लेने वाले ने कहा कि हां-हां, मुझे भी मालूम हैज् ज्यादा मत बोलो। और बस इसी बात पर देखते ही देखते दोनों की गरमागरम बहस शुरू हो गई और आखिर ओटीपी कूरियर वाले को नहीं मिला।

कूरियर वाला पार्सल वापस लेकर चला गया। इसी तरह, एक कस्बे की बारात में एक नकचढ़े बाराती की पसंद का गीत न बजाने पर इतनी बहस हुई कि गाली-गलौज से नाराज और रूठे हुए बैंडवाले वापस चलते बने। मुहूर्त चला जा रहा था, दूसरे बैंडवाले खाली नहीं थे, तो बाकी बारात ऐसे ही खामोश होकर गई। जरा-सी बात ने यह हालत कर दी। फिर बहस इस बात पर खड़ी हो गई कि यह भी क्या कोई बहस वाली बात थी!

देखा जाए तो बहस करना इतना बुरा नहीं है। कितनी ही बार चिकित्सक से समुचित बात करने के बाद कितने ही लोग अनावश्यक सर्जरी से खुद को बचा पाए हैं। वे चिकित्सीय रिकार्ड के साथ यह सार्वजनिक रूप से बताते भी हैं कि उस संवेदनशील पल में तकरार और झगड़ा न किया होता, तो आठ-दस लाख का आपरेशन हो जाता, जिसकी वास्तव में इतनी भी जरूरत नहीं थी।

घर-परिवार में कोई प्रतिभावान बालक या बालिका अगर बहस न करे, तो अपनी इच्छानुसार करिअर नहीं चुन सकता। रोजमर्रा की जिंदगी में भी देख सकते हैं कि मनमानी करने वाले दुकानदार से बराबर बहस करनी होती है, तब जाकर उचित मूल्य पर मनचाही वस्तु खरीदी जाती है।

तेल, महंगाई और तबाही- ईरान युद्ध की असली कीमत कौन चुकाएगा

(पी. चिदंबरम)

ट्रंप की मनमानी की वजह से तेल की कीमतें 100 डालर प्रति बैरल से भी ऊपर पहुंच गई हैं। अमेरिका में महंगाई और ट्रंप प्रशासन के प्रति असंतोष बढ़ रहा है।

अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ 28 फरवरी को बिना सोचे-समझे शुरू किए गए युद्ध के नतीजे दुनिया भर में बहुत दूर तक जाने वाले हैं। 'आपरेशन एपिक फ्यूरी' के दो हफ्तों में ईरान तबाह हो गया लगता है, लेकिन हारा नहीं है। युद्ध के पहले ही दिन अयातुल्ला खामेनेई सहित उसके शीर्ष नेतृत्व की पहली पंक्ति खत्म हो गई थी। उसके बाद ईरान ने तेजी से कदम उठाते हुए एक नया नेता चुना और एक नया सैन्य नेतृत्व स्थापित किया है। उधर अमेरिका-इजरायल गठबंधन ने घोषणा की कि वे उन्हें भी खत्म कर देंगे। तेहरान, सनंदाज, इस्फहान और ईरान के अन्य प्रमुख शहरों पर बमबारी की गई है और अब तक लगभग 1300 ईरानी मारे गए और 10,000 से अधिक घायल हुए हैं। एक अमेरिकी टामहाक मिसाइल एक स्कूल पर गिरी, जिसमें 168 बच्चे और 14 शिक्षक मारे गए। उन्होंने कौन-सा अपराध किया था?

भारी नुकसान –ईरान को हुए व्यापक नुकसान में ये शामिल हैं-मिसाइल छोड़ने वाले ठिकाने जैसे सैन्य लक्ष्य, सशस्त्र बलों के अड्डे, नौसेना की संपत्तियां, हवाई सुरक्षा प्रणाली और उत्पादन सुविधाएं; घर, स्कूल और अस्पताल; प्रमुख तेल डिपो (जो अभी भी जल रहे हैं); आवश्यक बुनियादी ढांचा, जैसे जल आपूर्ति, विलवणीकरण संयंत्र आदि; सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़े जोखिम; और पर्यावरण को भारी नुकसान।

ईरान के दमनकारी माने जाने वाले शासन की प्रकृति को छोड़ दें और लोगों पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने ऐसा क्या किया कि उन्हें इस तबाही का हकदार माना गया? इजराइल के उकसाने पर अमेरिका ने आरोप लगाया कि ईरान ने समृद्ध यूरेनियम का भंडार जमा कर लिया है और परमाणु हथियारों का निर्माण लगभग पूरा कर लिया है। कतर की मध्यस्थता से स्टीव विटकाफ और जेरेड कुशनर को अमेरिका की ओर से ईरान से बातचीत के लिए नियुक्त किया गया था।

युद्ध शुरू होने की आशंका से ओमान के विदेश मंत्री वाशिंगटन पहुंचे, ताकि अमेरिका को यह आश्वासन दे सकें कि ईरान 'समृद्ध यूरेनियम के शून्य भंडारण' पर सहमत हो गया है और उसने 'कभी भी परमाणु हथियार न रखने' की कसम खाई है। इस आश्वासन को दरकिनार करते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अचानक बातचीत खत्म कर दी और ईरान पर हमले का आदेश दे दिया।

इजरायल के विस्तारवाद के लिए ईरान खतरा हो सकता है, लेकिन वह संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए कोई खतरा नहीं है। जून 2025 में 'आपरेशन मिडनाइट हैमर' एक गैर-कानूनी हमला था। इसके बाद अमेरिका ने दावा किया था कि 'ईरान की यूरेनियम संवर्धन सुविधाएं पूरी तरह से तबाह कर दी गई हैं।' उस अभियान (मिडनाइट हैमर) के बावजूद अगर ईरान ने परमाणु हथियार लगभग बना ही लिए थे, तो वे कहां हैं?

क्या अमेरिका ने परमाणु निगरानी संस्था आइएईए यानी 'अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजंसी' से ईरान का निरीक्षण करने और परमाणु हथियारों के विकास पर कोई रपट देने के लिए कहा था? अमेरिका के पास यह तय करने का क्या अधिकार है कि किस देश के पास परमाणु हथियार होंगे और किसके पास नहीं? क्या अमेरिका अब भारत, पाकिस्तान या उत्तर कोरिया की परमाणु क्षमताओं में दखल देकर उन्हें 'तबाह' करने का फैसला करेगा?

खामोशी से मिलीभगत

पश्चिम एशियाई क्षेत्र में इजराइल के कई दुश्मन हैं। इसकी जड़ें उस समय से जुड़ी हैं जब इजरायल का गठन उस जमीन पर हुआ था, जो मूल रूप से फिलिस्तीनियों की थी। इसके बावजूद इतने वर्षों के बाद इस्लामी देशों सहित पूरी दुनिया ने इजराइल की वास्तविकता को स्वीकार कर लिया है। हालांकि भारत ने फिलिस्तीन के विभाजन प्रस्ताव (1947) के खिलाफ वोट दिया था, लेकिन बाद में सितंबर 1950 में भारत ने इजरायल को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता दे दी और 1992 में दोनों देशों के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध भी स्थापित हो गए। व्यापार, सैन्य सहयोग और खुफिया जानकारी साझा करने के मामले में इन संबंधों में काफी प्रगति हुई है।

पश्चिम एशिया के संघर्षों के मामले में भारत हमेशा से एक संतुलित और संयमित आवाज रहा है। मगर हाल के दिनों में भारत का रुख कुछ हद तक पक्षपातपूर्ण होता नजर आ रहा है। इसका प्रमाण 12 मार्च, 2026 को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पारित उस प्रस्ताव के प्रति भारत का समर्थन है, जिसमें केवल ईरान की निंदा की गई थी। जब इजरायल के प्रधानमंत्री ने 'कट्टरपंथी शिया गठबंधन और उभरते हुए कट्टरपंथी सुन्नी गठबंधन' के मुकाबले में भारत, ग्रीस, साइप्रस, अरब देशों, अफ्रीकी देशों और भूमध्यसागरीय देशों को मिलाकर बने एक 'षट्कोणीय गठबंधन' की बात की, तो भारत ने इसके विरोध में एक शब्द भी नहीं कहा।

ट्रंप के लक्ष्यों में अब काफी बदलाव आ गया है। उनका ध्यान अब ईरान के परमाणु निरस्त्रीकरण से हटकर ईरान की सैन्य क्षमताओं को पूरी तरह नष्ट करने, वहां की सत्ता में परिवर्तन लाने और आखिरकार ईरान को बिना किसी शर्त के आत्मसमर्पण कराने पर केंद्रित हो गया है। उन्होंने ईरान की जनता से यह आह्वान किया है कि 'आप अपनी सरकार की बागडोर अपने हाथों में ले लें, यह आप सबकी ही होगी'। अपेक्षा के मुताबिक यह बात बेअसर साबित हुई। ट्रंप की मनमानी की वजह से तेल की कीमतें 100 डालर प्रति बैरल से भी ऊपर पहुंच गई हैं। अमेरिका में महंगाई और ट्रंप प्रशासन के प्रति असंतोष बढ़ रहा है। होर्मुज जलमार्ग ईरान के नियंत्रण में है और वहां से तेल टैंकरों की आवाजाही लगभग पूरी तरह से रुक गई है। भारत में एलपीजी सिलेंडरों की कमी हो गई है और उनकी कीमतों में भारी बढ़ोतरी की गई है। दुनिया भर के शेयर बाजार धड़ाम से गिर गए हैं। अनुमान के मुताबिक, इस युद्ध पर हर दिन दो अरब डालर खर्च हो रहे हैं। इस युद्ध की मानवीय कीमत का अंदाजा लगाना भी मुश्किल है।

युद्ध सबको बेनकाब करता है

मशहूर सैनिक जनरल ड्वाइट आइजनहावर ने कहा था कि युद्ध क्रूर, बेमानी और बेवकूफी भरा होता है। रूस ने चार साल पहले यूक्रेन पर हमला किया था, लेकिन वह अब तक यह युद्ध जीत नहीं पाया है। इस बीच, रूस पर कर्ज का बोझ बहुत बढ़ गया है, तेल से होने वाली कमाई घट गई है और रूसी सेना को अब किराए के सैनिकों का सहारा लेना पड़ रहा है। ईरान के मामले में अमेरिका द्वारा युद्ध रोकने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है। चूंकि यह युद्ध मशीनों के जरिए लड़ा जा रहा है, इसलिए जब तक मशीनों की आपूर्ति जारी रहेगी, अमेरिका इस युद्ध को जारी रख सकता है।

जब कोई देश युद्ध शुरू करता है, तो उसे यह भी पता होना चाहिए कि उसे कब रोकना है। युद्ध हर देश और हर इंसान का असली चेहरा सामने ले आता है। जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था, तो भारत ने उसकी निंदा नहीं की थी, लेकिन यह कहा था कि 'यह युद्ध का दौर नहीं है।' जब अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का अपहरण किया था, तब इस तरह की नसीहतें सुनने को नहीं मिली थीं। पश्चिम एशिया में चल रहे मौजूदा युद्ध में भी इस तरह की बातें बिल्कुल भी सुनने को नहीं मिल रही हैं।

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के पीछे नस्लीय और धार्मिक भावनाएं भी काम कर रही हैं। इजरायल एक साम्राज्यवादी देश के रूप में सामने आया है। इजरायल के साथ मिलकर काम करते हुए अमेरिका उन सभी सिद्धांतों को नकार रहा है, जिन पर उसकी नींव रखी गई थी। अफसोस की बात है कि भारत की अपनी ही गलतियों ने उसे उन लोगों के सामने एक कांपते हुए याचक जैसा बना दिया है, जो यह मानते हैं कि 'जिसके पास ताकत है, उसी का राज चलता है'।

बस्तर हेरिटेज मैराथन की धूम: बस्तर की सड़कों पर दौड़ेंगे कदम, जीतेंगे लाखों के इनाम

SP निखिल राखेचा ने हरी झंडी दिखाकर प्रचार वाहन को किया रवाना, विजेताओं पर होगी इनामों की बौछार !

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ :-बस्तर की समृद्ध संस्कृति और विरासत को वैश्विक मंच पर लाने के लिए 'बस्तर हेरिटेज मैराथन' का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। 22 मार्च को जगदलपुर में होने वाले इस महा-आयोजन के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए आज कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान देशभक्ति की धुनों के साथ पूरा माहौल उत्साह से भर गया। कांकेर की सड़कों पर जब पुलिस बैंड ने देशभक्ति की धुन बजाई, तो हर कोई रुककर देखने लगा। मौका था 'बस्तर हेरिटेज मैराथन' के प्रचार वाहन की रवानगी का। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने जिले के युवाओं और खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में इस मैराथन का हिस्सा बनने की अपील की है। इस गरिमामय कार्यक्रम में जिला प्रशासन के बड़े अधिकारी भी मौजूद रहे, जिनमें जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी, एसडीएम अरुण वर्मा और संयुक्त कलेक्टर सरस्वती बंजारे शामिल थे। अधिकारियों का मानना है कि ऐसे आयोजनों से न केवल खेल भावना बढ़ती है, बल्कि बस्तर की पहचान भी मजबूत होती है।मैराथन की मुख्य बातें: तारीख: 22 मार्च 2026,स्थान: जगदलपुर।कैटेगरी: 22 किमी (फुल मैराथन), 21 किमी (हाफ मैराथन), 10 किमी रन और 05 किमी फन रन। रजिस्ट्रेशन: बस्तर संभाग के प्रतिभागियों के लिए पंजीयन पूरी तरह निशुल्क है।

इनामों का पिटारा: इस मैराथन में जीतने वाले खिलाड़ियों पर धनवर्षा होगी।

सीनियर वर्ग: प्रथम पुरस्कार ?1 लाख, द्वितीय ?50 हजार और तृतीय ?25 हजार। (कुल 10 पुरस्कार) जूनियर वर्ग: प्रथम पुरस्कार ?15 हजार, द्वितीय ?10 हजार और तृतीय 8 हजार । प्रशासन की अपील: अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू के मार्गदर्शन में प्रचार वाहन अब गांव-गांव जाकर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करेगा। जिला प्रशासन ने साफ किया है कि इस दौड़ का मकसद बस्तर की विरासत को सहेजना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है।

लैलूंगा में भाजपा का बड़ा संगठनात्मक दांव प्रभावशाली समाजसेवी बज्रदास महंत को पिछड़ा वर्ग मोर्चा का महामंत्री बनाकर दी नई ताकत

लैलूंगा (रायगढ़)/मूक पत्रिका

भारतीय राजनीति के स्थानीय परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक विस्तार करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने लैलूंगा मंडल में अपने पिछड़ा वर्ग मोर्चा को और सशक्त बनाया है। इसी क्रम में क्षेत्र के सक्रिय सामाजिक एवं पत्रकारिता जगत से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्तित्व बज्रदास महंत को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें भाजपा मंडल लैलूंगा के पिछड़ा वर्ग मोर्चा का महामंत्री नियुक्त किया गया है बज्रदास महंत न केवल छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ, लैलूंगा के अध्यक्ष हैं,बल्कि मानिकपुरी पनिका समाज, लैलूंगा के अध्यक्ष के रूप में भी वे लंबे समय से सामाजिक नेतृत्व की भूमिका निभा रहे हैं। उनकी नियुक्ति को संगठन के भीतर एक रणनीतिक और दूरदर्शी कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो पार्टी के सामाजिक आधार को और मजबूत करेगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह नियुक्ति भाजपा के प्रदेश नेतृत्व के निर्देश एवं जिला संगठन की सहमति से की गई है। इससे पहले लैलूंगा मंडल में पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पदाधिकारियों और कार्यसमिति सदस्यों की घोषणा की गई थी, जिसके तहत विभिन्न सामाजिक वर्गों को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया है। इसी कड़ी में बज्र दास महंत को यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया। उनकी कार्यशैली, जनसंपर्क क्षमता और सामाजिक सरोकारों में सक्रिय भागीदारी को देखते हुए पार्टी ने उन पर भरोसा जताया है। माना जा रहा है कि उनके नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग मोर्चा न केवल संगठनात्मक रूप से मजबूत होगा, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों तक पार्टी की नीतियों और योजनाओं को प्रभावी ढंग से पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाएगा। स्थानीय कार्यकर्ताओं और समर्थकों में इस नियुक्ति को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। लोगों का मानना है कि बज्रदास महंत की नियुक्ति से क्षेत्र में भाजपा को नई ऊर्जा मिलेगी और संगठनात्मक गतिविधियों को नई दिशा प्राप्त होगी। इस अवसर पर बज्रदास महंत ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

भटगांव पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 6 किलो गांजा के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

भटगांव/मूक पत्रिका

अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भटगांव पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने दो आरोपियों को 6 किलो गांजा के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमिषा पांडे और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस विजय ठाकुर के मार्गदर्शन में अवैध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसी कड़ी में थाना प्रभारी शिव कुमार धारी के नेतृत्व में 18 मार्च 2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति बिना नंबर की मोटरसाइकिल से मादक पदार्थ लेकर भटगांव की ओर आ रहे हैं।सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने घेराबंदी कर संदिग्धों को रोका। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम रंजू साहू (निवासी बलगी, कोरबा) और लक्ष्मण दास मानिकपुरी (निवासी नवागांव, कटघोरा) बताया। विधिवत तलाशी लेने पर मोटरसाइकिल में रखे लाल रंग के बैग और डिक्की से प्लास्टिक में पैक 6 किलो गांजा बरामद किया गया।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लगभग 30 हजार रुपए कीमत का गांजा और 40 हजार रुपए की मोटरसाइकिल (यूनिकॉर्न) जब्त की है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 (बी) के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया और न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी शिव कुमार धारी सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

सारंगढ़ शहर में ट्रैफिक उल्लंघन करने वाले पर हुई कार्यवाही, 38 प्रकरण में 18 हजार का चालान

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ संजय कन्नौजे द्वारा यातायात विभाग को दिए निर्देश के पालन में गुरुवार को यातायात सेल सारंगढ़ द्वारा शहर के भारत माता चौक से सूरज होटल, मित्तल मेडिकल और मेन रोड किनारे अव्यवस्थित खड़े किये वाहनों नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों पर ऑनलाइन मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही की गई जिसमें 122/177 में 34 प्रकरण 10200 ?, 115/190 में 02 प्रकरण 4000 ?, 56/192 में 01 प्रकरण 2000 ?, 146/196 में 01 प्रकरण 2000 ? कुल 38 प्रकरण में 18200 ? की चालानी कार्यवाही की गई। इस कार्य में यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक जितेन्द्र चन्द्रा, उप निरीक्षक समेलाल सोनवानी, प्रधान आरक्षक मुकेश साहू, आरक्षक अक्षय रात्रे और सनसाई तिग्गा आदि शामिल थे।

कृष्णपुर में आवासीय आगजनी: फायर ब्रिगेड की त्वरित कार्रवाई से टला बड़ा हादसा

सूरजपुर/मूक पत्रिका

ग्राम कृष्णपुर (परसा पारा) में गुरुवार शाम एक आवासीय मकान में अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना शाम करीब 4 बजकर 2 मिनट की बताई जा रही है, जब ग्रामीण लालबरन के घर से धुआं और तेज लपटें उठती देख आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय ग्रामीणों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन केंद्र सूरजपुर की टीम ने बिना समय गंवाए फायर ब्रिगेड वाहन क्रमांक सीजी 02 एयू 0815 को दल-बल के साथ घटनास्थल के लिए रवाना किया। दमकल कर्मी कुछ ही देर में मौके पर पहुंच गए और हालात का त्वरित आकलन करते हुए आग बुझाने का कार्य शुरू किया। अग्निशमन दल की तत्परता और सूझबूझ के चलते आग को तेजी से नियंत्रित कर लिया गया। दमकल कर्मियों ने आसपास के मकानों को भी सुरक्षित रखने के लिए विशेष सावधानी बरती। यदि समय पर आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो यह आग पास के अन्य घरों तक फैल सकती थी, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, जो राहत की बात है। हालांकि, मकान के अंदर रखे घरेलू सामान को आंशिक नुकसान पहुंचा है।

फेडरेशन ने 11सूत्रीय मांगो को लेकर एसडीएम बिलाईगढ़ को सौंपा ज्ञापन*

बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के बैनर तले माननीय मुख्यमंत्री छग शासन एवं मुख्य सचिव के नाम एसडीएम बिलाईगढ़ को ज्ञापन सौंपकर 11 सूत्रीय मांगों से अवगत कराया।कमल वर्मा जी प्रदेश संयोजक छग कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन एवं फकीरा यादव जिला संयोजक के निर्देशन में चतुर्थ चरण 18 मार्च 2026 को ब्लॉक मुख्यालय बिलाईगढ़ में अपने अधिकारों की मांग को लेकर कर्मचारियों/अधिकारियों ने नारा लगाते हुए अपनी आवाज बुलंद किये। 11 सूत्रीय मांगे जैसे मोदी की गारंटी के तहत वर्ष जुलाई 2016 से लंबित डीए एरियर्स की राशि कर्मचारियों के जीपीएफ खाते में समायोजित करने, चार स्तरीय पदोन्नत समयमान वेतनमान दिया जाए, अर्जित अवकाश नगदीकरण 300दिवस करने,प्रदेश के लिपिकों, शिक्षकों, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास सहित वेतन विसंगतियों को दूर करने, शिक्षकों की प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना कर समस्त सेवा लाभ देने, सहायक शिक्षकों व सहायक पशु चिकित्सा अधिकारियों को त्रिस्तरीय समयमान वेतनमान देने, अनुकम्पा नियुक्ति निःशर्त लागू करने, पंचायत सचिवों का शासकीयकरण करने एवं नगरीय निकाय के कर्मचारियों को नियमित मासिक वेतन देने, सेवानिवृत्त आयु 65 वर्ष करने, दैनिक वेतन भोगी अनियमित संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण करने तथा सेवानिवृत्ति उपरांत संविदा नियुक्ति बंद करने की ज्ञापन देकर छग शासन का ध्यान आकर्षित कराया गया।ज्ञापन के माध्यम से फेडरेशन ने सरकार को अविलंब मांगे पूरी करने निवेदन किया।इस दौरान प्रमुख रूप से छग कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ब्लॉक संयोजक जिला अध्यक्ष समन्वयक संघ भागवत प्रसाद साहू,तहसील संयोजक रामकुमार साहू, ब्लॉक अध्यक्ष समन्वयक संघ डाबर सिंह साहू, लाल जी हिरवानी,कृष्ण कुमार साहू वरिष्ठ एडीईओ,पेखर सुमन रात्रे,भागवत साहू,योगेश साहू, कोमल साहू संतोष श्रीवास, रुपनाथ ध्रुव, मुरलीधर प्रजापति, चैतन्य कुमार साहू, आशीष दुबे, मलेच्छ राम खूंटे, रमेश कुमार पैंकरा,तुलसी प्रसाद देवांगन, यशपाल यादव, विनोद भैना जितेंद्र गोस्वामी, सजन कुमार राकेश आदि सैकड़ों की संख्या में उपस्थित रहें।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन

छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे का औचक निरीक्षण, रेशम एवं उद्यान विभाग में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कलेक्टर ने रेशम उत्पादन बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर जोर दिया

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने जिले में रेशम एवं उद्यानिकी विभाग के सारंगढ़ स्थित कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जमीनी स्तर पर चल रहे कार्यों की स्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। रेशम विभाग के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मलबरी प्लांटेशन एवं टसर प्लांटेशन का अवलोकन किया, जो लगभग 9 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। उन्होंने कृमि पालन (रेशम कीट पालन) की प्रक्रिया को भी विस्तार से देखा और उत्पादन बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर जोर दिया। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को अधिक से अधिक जोड़ने और उन्हें प्रशिक्षण देने की दिशा में कार्य किया जाए। कलेक्टर ने प्लांटेशन की गुणवत्ता, रख-रखाव एवं उत्पादन क्षमता का समीक्षा कर निर्देश दिए कि पौधारोपण और कृमि पालन से संबंधित सभी कार्य समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाए। कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने सारंगढ़ स्थित उद्यान विभाग कार्यालय के सभी कर्मचारियों का परिचय लिया और उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि शासकीय कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी-कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ करें। निरीक्षण के अंत में कलेक्टर ने विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ आमजन तक समय पर पहुंचना सुनिश्चित किया जाए।

पत्रकार रौनक गुप्ता मामले में न्यायिक जांच की मांग को बताया उचित

गंगालूर पोटाकेबिन मामला: प्रशासनिक चूक पर उठे सवाल, तीन छात्राओं के गर्भवती होने की खबर अर्धसत्य सर्व आदिवासी समाज

प्रेस वार्ता में प्रशासनिक लापरवाही पर गंभीर सवाल उठाते हुए समाज प्रमुखों ने कहा कि बालिकाओं के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, निगरानी और स्वास्थ्य शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं में स्पष्ट रूप से प्रबंधन की कमी रही है। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल एक घटना नहीं, बल्कि व्यवस्था की खामियों को उजागर करता है। समाज द्वारा शीघ्र ही शासन-प्रशासन से मुलाकात कर पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग की जाएगी।

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार । गंगालूर स्थित पोर्टा केबिन आवासीय विद्यालय की तीन छात्राओं के गर्भवती होने की खबर को लेकर सर्व आदिवासी समाज द्वारा गठित जांच दल ने अपनी प्रारंभिक जांच में इसे अर्धसत्य बताया है, लेकिन साथ ही पूरे मामले में गंभीर प्रशासनिक चूक की बात भी सामने आई है।

सर्व आदिवासी समाज के संभागीय अध्यक्ष प्रकाश ठाकुर के निर्देशन में तथा जिला अध्यक्ष जग्गूराम तेलामी (संयोजक) के नेतृत्व में गठित जांच समिति 19 मार्च को गंगालूर पहुंची। जांच दल में कमलेश पैंकरा, कुंवर सिंह मज्जी, अमित कोरसा, सीताराम मांझी, कामेश्वर दुब्बा, श्रवण सैंड्रा, सुखराम कोवासी सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। दल ने मामले की विस्तृत जांच करते हुए संबंधित छात्राओं से मुलाकात की तथा बाद में गोंडवाना भवन में प्रेस वार्ता कर पत्रकारों को जानकारी दी।

जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि एक छात्रा सितंबर माह से ही विद्यालय में अनुपस्थित थी, जबकि अन्य दो छात्राएं नए शिक्षा सत्र प्रारंभ होने के बाद से ही आवासीय विद्यालय नहीं आई थीं। जांच दल ने तीनों छात्राओं से उनके निवास स्थान पर मुलाकात की, जहां यह पाया गया कि तीनों वर्तमान में अपने-अपने ससुराल में रह रही हैं।

समिति के अनुसार, परीक्षा के दौरान जब ये छात्राएं विद्यालय आई थीं, तब परीक्षा के अंतिम दिन गांव के कुछ लोगों द्वारा उनसे पूछताछ की गई थी, जिसके बाद यह मामला चर्चा में आया।

प्रेस वार्ता में प्रशासनिक लापरवाही पर गंभीर सवाल उठाते हुए समाज प्रमुखों ने कहा कि बालिकाओं के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, निगरानी और स्वास्थ्य शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं में स्पष्ट रूप से प्रबंधन की कमी रही है। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल एक घटना नहीं, बल्कि व्यवस्था की खामियों को उजागर करता है। समाज द्वारा शीघ्र ही शासन-प्रशासन से मुलाकात कर पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग की जाएगी।

वहीं, दंतेवाड़ा के पत्रकार रौनक गुप्ता मामले पर भी समाज ने स्पष्ट रुख अपनाया। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए समाज प्रमुखों ने कहा कि पत्रकार संगठनों द्वारा की जा रही न्यायिक जांच की मांग पूरी तरह उचित है। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई नहीं होनी चाहिए और इस मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है।

सर्व आदिवासी समाज ने स्पष्ट किया है कि गंगालूर प्रकरण की विस्तृत जांच अभी जारी है और सभी तथ्य सामने आने के बाद ही अंतिम निष्कर्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

रियलमी ने पी4 लाइट 5जी लॉन्च किया – इस सेगमेंट का एकमात्र 7000mAh बैटरी वाला स्मार्टफोन, जिसकी शुरुआती कीमत 11,499

नई दिल्ली: रियलमी, जो भारतीय युवाओं में बहुत पसंद किया जाता है, उसने आज रियलमी पी4 लाइट 5जी लॉन्च किया है। इसे स्मूथ 7000mAh पायनियर कहा जा रहा है, क्योंकि इसमें इस सेगमेंट की सबसे बड़ी 7000mAh बैटरी है। यह फोन उन लोगों के लिए बनाया गया है जो लंबी बैटरी और रोज़मर्रा के कामों में स्मूद परफॉर्मेंस चाहते हैं। एक बार चार्ज करने पर यह फोन करीब 1.47 दिन तक चल सकता है। यह फ़ोन रोज़ के काम बिना रुके करने में मदद करता है और इसमें अच्छी बैटरी, स्टाइलिश डिजाइन, बड़ा डिस्प्ले और तेज 5जी कनेक्टिविटी मिलती है। रियलमी पी4 लाइट 5जी में बड़ी 7000mAh बैटरी की वजह इसे बार-बार चार्ज करने की चिंता नहीं रहती और फोन लंबे समय तक चलता है। आप वीडियो देख सकते हैं, गेम खेल सकते हैं या कई काम एक साथ कर सकते हैं, फिर भी बैटरी जल्दी खत्म नहीं होती। इसके साथ इसमें 144H5 वाला डिस्प्ले मिलता है, जिससे स्क्रीन बहुत स्मूद चलती है और स्क्रॉलिंग व गेमिंग का अनुभव शानदार रहता है। फ़ोन की स्क्रीन की ब्राइटनेस 900 निट्स तक है, इसलिए तेज धूप में भी साफदिखाई देता है। साथ ही इसमें ऐसा फीचर है जिससे आंखों को आराम मिलता है और लंबे समय तक देखने पर आंखों को कम थकान होती है। इस फ़ोन में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 6300 5जी प्रोसेसर दिया गया है, जो फ़ोन को तेज और स्मूद चलने में मदद करता है। इससे आप गेम खेल सकते हैं, वीडियो देख सकते हैं और एक साथ कई काम आसानी से कर सकते हैं। फ़ोन में बड़ा 5300mm² एयरफ्लो वीसी कूलिंग सिस्टम भी है, जो ज्यादा इस्तेमाल के दौरान फ़ोन को गर्म होने से बचाता है। इससे फ़ोन लंबे समय तक बिना रुकावट के अच्छी परफॉर्मेंस देता है। रियलमी पी4 लाइट 5जी को मजबूत बनाया गया है, ताकि यह आसानी से खराब न हो।

हर घर हर दिन चिकन प्रोटीन : आईबी ग्रुप का राष्ट्रव्यापी मिशन

भारत में पोषण और प्रोटीन सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंता के बीच कुछ ऐसे इंडस्ट्री लीडर सामने आए हैं जो देश के खाद्य तंत्र को नई दिशा दे रहे हैं। आधुनिक पोल्ट्री उद्योग के अग्रदूत माने जाने वाले बहादुर अली, प्रबंध निदेशक, आईबी ग्रुप, उन प्रमुख उद्यमियों में शामिल हैं जिन्होंने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से आईबी ग्रुप को देश की अग्रणी एकीकृत पोल्ट्री और प्रोटीन कंपनियों में स्थापित किया है। उनके नेतृत्व में कंपनी ने कई राज्यों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है और अपने एकीकृत पोल्ट्री मॉडल के माध्यम से हजारों किसानों और ग्रामीण उद्यमियों को सशक्त बनाया है। किसानों के साथ मजबूत साझेदारी और आधुनिक सप्लाई चेन के विकास के माध्यम से आईबी ग्रुप ने देश की पोषण व्यवस्था को मजबूत करने के साथ साथ ग्रामीण रोजगार और आजीविका के अवसर भी बढ़ाए हैं। आईबी ग्रुप भारत की ऐसी एकमात्र पोल्ट्री कंपनी है जिसके पास पूर्ण बैकवर्ड और फॉरवर्ड इंटीग्रेशन है। कंपनी फीड उत्पादन, ब्रीडिंग, फार्मिंग से लेकर प्रोसेसिंग और देशभर में वितरण तक पूरी वैल्यू चेन का संचालन स्वयं करती है। इस एकीकृत प्रणाली के कारण गुणवत्ता नियंत्रण, दक्षता और निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित होती है, जिससे उपभोक्ताओं तक सुरक्षित और किफायती चिकन प्रोटीन पहुंचाया जा रहा है। देश में प्रोटीन की कमी को देखते हुए आईबी ग्रुप ने हर घर हर दिन एबीआईएस चिकन प्रोटीन नामक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक 20 राज्यों के 2500 से अधिक तहसीलों को कवर करने वाला यह अभियान परिवारों को अपने दैनिक आहार में प्रोटीन शामिल करने के लिए प्रेरित कर रहा है और जमीनी स्तर पर पोषण जागरूकता बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। इस पहल पर बोलते हुए आईबी ग्रुप के प्रबंध निदेशक बहादुर अली ने कहा, प्रोटीन को विलासिता नहीं बल्कि हर भारतीय परिवार की दैनिक आवश्यकता के रूप में देखा जाना चाहिए। 'हर घर हर दिन एबीआईएस चिकन प्रोटीन' अभियान के माध्यम से हम जमीनी स्तर पर जागरूकता बढ़ा रहे हैं।

पाकिस्तान में सरकारी इमारत की छत गिरने से 8 महिलाओं की मौत, 50 से अधिक घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्वी इलाके में सोमवार को एक दुकान की छत गिरने से कम से कम 8 महिलाओं की मौत हो गई और 50 से अधिक घायल हो गए। पुलिस और राहत अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा तब हुआ जब 100 से अधिक महिलाएं सरकारी कल्याणकारी भुगतान लेने के लिए इकट्ठी हुई थीं।

राहतकर्मी अशीक महमूद ने बताया कि दुकानदार ने कुछ महिलाओं को छत पर भेज दिया था, जबकि अन्य अंदर ही थीं। भीड़ के वजन से छत अचानक ढह गई। यह घटना पंजाब प्रांत के रहीम यार खान जिले में हुई। उन्होंने कहा कि रेस्क्यू 1122 के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और मलबे के नीचे दबे लोगों को बचाया।

रहीम यार खान के उपायुक्त जहीर अनवर ने बताया किसरकारी वित्त पोषित बेनजीर आय सहायता कार्यक्रम (बीआइएसपी) के तहत वित्तीय

सहायता चाहने वाली महिलाएं एक बीआइएसपी केंद्र के छत पर बने हाल में एकत्रित हुई थीं, तभी छत ढह गई। उपायुक्त ने कहा कि घायल महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कुछ की हालत गंभीर है।

ऐसा लगता है कि इमारत जर्जर थी और जब बड़ी संख्या में महिलाएं छत पर इकट्ठा हुईं तो वह गिर गई। महिलाएं कार्यक्रम के तहत मिलने वाली राशि लेने के लिए केंद्र आई थीं। स्थानीय निवासियों ने जर्जर इमारत में बीआइएसपी केंद्र खोलने के लिए सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने मुआवजे की मांग की।

पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया और स्वास्थ्य अधिकारियों को घायलों को सर्वोत्तम सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। हालांकि, पीड़ितों के लिए किसी प्रकार के आर्थिक मुआवजे की घोषणा नहीं की। महिलाएं बेनजीर इनकम सपोर्ट प्रोग्राम के तहत आर्थिक सहायता लेने आई थीं। यह कार्यक्रम पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के नाम पर चलाया जाता है, जिनकी 2007 में गोली और बम हमले में हत्या कर दी गई थी। इस योजना के तहत गरीब परिवारों, खासकर महिलाओं को हर तिमाही 13,000 रुपये (लगभग 45 डॉलर) की नकद सहायता मिलती है। महिलाएं रमजान के अंत में ईद-उल-फित्र से पहले यह राशि लेने इकट्ठी हुई थीं। पाकिस्तान में रमजान के दौरान सरकारी एजेंसियां, चैरिटी संगठन और व्यापारी गरीब परिवारों को भोजन और नकद सहायता बांटते हैं, जिससे भीड़ जमा हो जाती है और कभी-कभी स्टांपीड जैसी घटनाएं हो जाती हैं। इससे पहले फरवरी में कराची के एक आवासीय भवन में शक्तिशाली गैस विस्फोट हुआ था, जिसमें इमारत का हिस्सा ढह गया। इस हादसे में महिलाएं और बच्चे सहित 16 लोग मारे गए थे और कई घायल हुए थे।

हैरान करने वाली लव स्टोरी : भाई से बहन को हुआ प्यार, बिना शादी के दो बच्चों की मां बनी महिला

बार्सिलोना, एजेंसी। स्पेन से सामने आई एक अनोखी प्रेम कहानी इन दिनों खूब चर्चा में है। एना पारा और उनके सौतेले भाई डेनियल पारा का रिश्ता अब केवल निजी मामला नहीं रह गया, बल्कि सामाजिक और कानूनी बहस का मुद्दा बन गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, एना के पिता ने उनकी मां को छोड़कर दूसरी शादी कर ली थी, जिससे डेनियल का जन्म हुआ। कई सालों तक दोनों एक-दूसरे से अनजान रहे। बाद में एना ने डेनियल को फेसबुक पर खोजा और दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। पहली मुलाकात एक पार्टी में हुई, जहां एना ने बताया कि पहली नजर में ही उन्हें डेनियल से प्यार हो गया। पार्टी के दौरान एक किस से शुरू हुआ यह रिश्ता धीरे-धीरे गहरे प्यार में बदल गया और दोनों एक-दूसरे के बिना रह नहीं पाए। जब इस कपल ने अपने रिश्ते को नेशनल टीवी पर सार्वजनिक किया, तो सोशल मीडिया पर भारी विवाद खड़ा हो गया। लोगों ने इस रिश्ते को अस्वीकार्य बताते हुए जमकर आलोचना की। कई लोगों ने उन्हें ट्रोल किया और कड़ी प्रतिक्रियाएं दीं। यह मामला सिर्फ स्पेन ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में चर्चा का विषय बन गया। एना और डेनियल अब दो बच्चों के माता-पिता हैं, हालांकि उन्होंने शादी नहीं की है। एना ने बताया कि दोनों के पिता एक ही होने की वजह से उनका करीब 25 प्रतिशत डीएनए मेल खाता है। उन्हें डर था कि बच्चों को कोई स्वास्थ्य समस्या हो सकती है, लेकिन दोनों बच्चे पूरी तरह स्वस्थ हैं। स्पेन में बालिगों के बीच सहमति से संबंध बनाना अपराध नहीं है, लेकिन खून के रिश्ते में शादी करना गैरकानूनी है। अब एना और डेनियल चाहते हैं कि उन्हें पति-पत्नी के रूप में कानूनी मान्यता मिले। वे कानून में बदलाव की मांग कर रहे हैं ताकि अपने रिश्ते को आधिकारिक रूप से नाम दे सकें। एना का कहना है कि जब उनका रिश्ता किसी को नुकसान नहीं पहुंचा रहा, तो उन्हें शादी करने का अधिकार क्यों नहीं मिलना चाहिए।

एक फैसला और बच गई जान, मिसाइल हमले में पिता की तरह मारे जाते मोजतबा खामेनेई; रिपोर्ट में खुलासा

तेहरान, एजेंसी। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई उस अमेरिकी-इजरायली हमले में बाल-बाल बच गए, जिसमें उनके पिता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी। कहा जा रहा है कि वह हमले के ठीक कुछ सेकेंड पहले वहां से निकल गए थे।

ईरान की आंतरिक बैठक से लीक हुई ऑडियो रिकॉर्डिंग पर आधारित एक रिपोर्ट में इस बात का दावा किया गया है। 28 फरवरी को ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत की गई इस स्ट्राइक में ईरान के लंबे समय से चले आ रहे सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के तेहरान स्थित परिसर को निशाना बनाया गया था, जिसमें कई वरिष्ठ अधिकारी भी मारे गए।

लीक हुई ऑडियो रिकॉर्डिंग में क्या है?त्न द टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, लीक हुई ऑडियो रिकॉर्डिंग में 12 मार्च को वरिष्ठ ईरानी धर्मगुरुओं और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कमांडरों के बीच हुई एक बैठक के दौरान की गई टिप्पणियां दर्ज हैं।

दिवंगत नेता के कार्यालय में प्रोटोकॉल प्रमुख मजाहिर हुसैनी ने कथित तौर पर अधिकारियों को बताया कि हमले से कुछ ही समय पहले मोजतबा खामेनेई अपने पिता के साथ इमारत के भीतर मौजूद थे, लेकिन मिसाइलों के टकराने से ठीक पहले वह बाहर निकल गए।

बिल्डिंग से निकलते ही हुआ हमला: रिकॉर्डिंग में होसैनी के हवाले से कहा गया, अल्लाह की यही मर्जी थी कि मोजतबा किसी काम से आंगन में जाए और फिर लौट आए। वह बाहर थे और ऊपर की मंजिल की ओर जा रहे थे, तभी उन्होंने एक मिसाइल से इमारत पर हमला कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, मोजतबा के इमारत से निकलने के कुछ ही देर बाद इजरायली %ब्लू स्पैरो% बैलिस्टिक

मिसाइलों ने परिसर पर हमला कर दिया और इसमें अयातुल्ला अली खामेनेई और दर्जनों वरिष्ठ अधिकारी तथा रिश्तेदार मारे गए।

होसैनी ने कथित तौर पर सभा को बताया कि इस हमले में कम से कम तीन मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया था। एक मिसाइल कंपाउंड के उस हिस्से पर गिरी, जहां बड़े खामेनेई मौजूद थे, जबकि दूसरी मिसाइल ऊपरी मंजिल पर स्थित मोजतबा खामेनेई के आवास पर जा लगी। तीसरी मिसाइल उनके बहनोई, मिस्बाह अल-हुदा बाघेरी कानी के घर पर गिरी। रिकॉर्डिंग में हमले के विनाशकारी प्रभाव का भी वर्णन किया गया है। हुसैनी ने बताया कि इस हमले में ईरानी सेना प्रमुख मोहम्मद शिराजी मारे गए और उनका शरीर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। होसैनी ने कथित तौर पर कहा, वह धमाके में पूरी तरह से बिखर गए थे। उन्हें कुछ भी नहीं मिला और आखिर में उन्हें कुछ किलो मांस मिला, जिसकी पहचान उन्होंने उनके शरीर के तौर पर की। रिपोर्ट के अनुसार, मोजतबा खामेनेई को पैर में मामूली चोट आई। हालांकि, उनकी पत्नी हद्दाद इस हमले में मौके पर ही मारी गईं। खामेनेई के दूसरे बेटे मुस्तफा खामेनेई और उनकी पत्नी भी कथित तौर पर इस हमले में बाल-बाल बच गए।

होर्मुज में तनाव से सहमा श्रीलंका

ईंधन बचाने के लिए कड़े नियम लागू अब हफ्ते में चार दिन ही काम

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की सरकार ने देश में काम के दिनों को घटाकर हफ्ते में केवल चार दिन करने का फैसला लिया है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के लंबे समय तक चलने की आशंका को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

सरकार का मुख्य मकसद देश में मौजूद ईंधन (फ्यूल) के सीमित भंडार को बचाना है। दरअसल, अमेरिका और इस्राइल के साथ चल रहे युद्ध के जवाब में ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है। शांति के समय में दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत निर्यात इसी समुद्री रास्ते से होता है। युद्ध अब अपने तीसरे हफ्ते में प्रवेश कर चुका है और इस रास्ते के बंद होने से तेल की सप्लाई पूरी तरह रुक गई है। आवश्यक सेवाओं के कमिश्नर-जनरल प्रभात चंद्रकीर्ति ने सोमवार को बताया कि बुधवार से सभी सरकारी संस्थान हफ्ते में केवल चार दिन ही काम करेंगे। यह नया नियम स्कूलों और यूनिवर्सिटी पर भी लागू होगा और अनिश्चित काल तक जारी रहेगा।

राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की अध्यक्षता में हुई एक आपात बैठक के बाद सरकार ने निजी क्षेत्र से भी अनुरोध किया है कि वे हर बुधवार को छुट्टी घोषित करें। राष्ट्रपति दिसानायके ने अधिकारियों से कहा कि हमें सबसे खराब स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए।

हालांकि, उन्होंने साफ किया कि अस्पताल, बंदरगाह और इमरजेंसी सेवाएं पहले की तरह सामान्य रूप से चलती रहेंगी। सरकार ने सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों और समारोहों पर भी रोक लगा दी है। सरकारी कर्मचारियों से कहा गया है कि जहां तक

संभव हो, वे ईंधन बचाने के लिए घर से ही काम करें।

शुरू हुई तेल की राशनिंग- श्रीलंका अपनी जरूरत का सारा तेल और बिजली बनाने के लिए कोयला दूसरे देशों से खरीदता है। देश में रविवार से ही तेल की राशनिंग शुरू कर दी गई है। अब आम वाहन मालिकों को एक हफ्ते में सिर्फ 15 लीटर पेट्रोल या डीजल ही मिल सकेगा। वहीं, बस और अन्य सार्वजनिक वाहनों के लिए 200 लीटर की सीमा तय की गई है। अधिकारियों के मुताबिक, देश के पास अभी लगभग छह हफ्ते का तेल बचा है, लेकिन अगर नई सप्लाई नहीं आई तो हालात बहुत गंभीर हो सकते हैं।

श्रीलंका सरकार को डर है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से उसकी अर्थव्यवस्था फिर से पटरी से उतर सकती है। साल 2022 में श्रीलंका आर्थिक रूप से पूरी तरह टूट गया था और वह अपना विदेशी कर्ज नहीं चुका पाया था। फिलहाल देश आईएमएफ से मिले 2.9 अरब डॉलर के पैकेज की मदद से संभलने की कोशिश कर रहा है।

नाइजीरिया में आत्मघाती हमलों में कई लोगों की मौत; नैरोबी में इमारत गिरने से चार की मौत

मैदुगुरी, एजेंसी। बोर्नो राज्य की राजधानी मैदुगुरी में तीन अलग-अलग स्थानों पर विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं, जहां नाइजीरिया के स्थानीय जिहादी समूह बोको हरम ने एक दशक से अधिक समय से विद्रोह छेड़ रखा है। मैदुगुरी में नाइजीरिया की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (एनईएमए) के संचालन प्रमुख सिराजू अब्दुल्लाही के अनुसार, ये बम विस्फोट एक स्थानीय बाजार और मैदुगुरी विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल के प्रवेश द्वार पर हुए। अमेरिका के गुआम स्थित एंडरसन एयरफोर्स बेस पर बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास सी ड्रैगन 2026 शुरू हो गया है। पनडुब्बी-रोधी अभ्यास में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान व न्यूजीलैंड के साथ भारतीय नौसेना का पी-8आई विमान शामिल है। दो सप्ताह तक चलने वाले इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शत्रु पनडुब्बियों को ट्रैक करने और नष्ट करने की साझा दक्षता बढ़ाना है। अभ्यास के दौरान सबसे सटीक प्रदर्शन करने वाले देश को ड्रैगन बेल्ट पुरस्कार दिया जाता है। वर्ष 2025 में यह खिताब ऑस्ट्रेलिया ने जीता था। यह अभ्यास ऐसे समय में हो रहा है जब दुनिया में रणनीतिक संकट की चुनौती है। केन्या की राजधानी नैरोबी में सोमवार को एक नियोजित विध्वंस के दौरान एक इमारत ढह गई, जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सेना और अन्य संस्थानों के बचावकर्मी मलबे के नीचे फंसे लोगों को निकालने के लिए काम कर रहे थे। तस्वीरों में पीड़ितों को स्ट्रेचर पर मलबे से बाहर ले जाते हुए दिखाया गया। बयान में कहा गया है कि यह इमारत उन कई इमारतों में से एक थी, जिन्हें नैरोबी नदी पुनर्निर्माण परियोजना के तहत हटाने के लिए चिह्नित किया गया था। अमेरिका के टेक्सास में एक अफगान अप्रवासी की अस्पताल में आव्रजन अधिकारियों द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद मौत हो गई। मृतक के परिवार ने कहा कि उसे अमेरिकी सेना के साथ वर्षों तक काम करने के बाद उसके गृह देश से निकाला गया था।

ईरान को परमाणु हथियार मिलना दुनिया के लिए बर्बादी

ट्रंप बोले- दो हफ्तों में सेना-ईरानी नेतृत्व ढहा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान को परमाणु हथियार बनाने के खतरों के प्रति आगाह किया। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने राष्ट्रपति के रुख का समर्थन करते हुए कहा है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई राष्ट्रपति के नेतृत्व में हुई है। वेंस ने डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों से आग्रह किया कि वे अपने सैनिकों की सफलता और सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा 'मैं किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में युद्ध कम चाहता हूं... ईरान के नेता हिंसक और दुष्ट लोग हैं जिन्होंने पिछले तीन हफ्तों में 32,000 प्रदर्शनकारियों को मार डाला है।' ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि कोई यह मानता है कि ईरान को परमाणु हथियार मिलने चाहिए, तो वह गलत है। उन्होंने कहा वे इसका इस्तेमाल एक घंटे या एक दिन के भीतर कर देंगे। वे इसका इस्तेमाल करेंगे और पूरे पश्चिम एशिया को तबाह कर देंगे, न कि सिर्फ इस्राइल को। ट्रंप ने एक बार फिर दोहराया कि यदि ईरान को परमाणु हथियार मिल जाता है, तो दुनिया का एक बहुत बड़ा हिस्सा तबाह हो जाएगा और इसका इस्तेमाल लगभग तुरंत ही किया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान की सैन्य क्षमता पर अमेरिका की कार्रवाई के प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने दावा किया हमने उन्हें दो हफ्तों में तबाह कर दिया है। उनके पास कोई नौसेना नहीं है, कोई वायु सेना नहीं है, कोई एंटी-एयरक्राफ्ट हथियार नहीं है और कोई नेतृत्व नहीं है। उनका नेतृत्व खत्म हो गया है। फिर उन्होंने एक नया नेतृत्व स्थापित किया और वह भी खत्म हो गया। ट्रंप ने कहा कि यह काम पूरी दुनिया के लिए किया गया है। उन्होंने ईरान

को पिछले 50 वर्षों या उससे भी लंबे समय में वैचारिक दृष्टिकोण से सबसे खराब देश बताया, जो दुनिया को उड़ाना चाहता था।

'नेतृत्व के दो स्तर पूरी तरह खत्म': राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी बताया कि अमेरिका ने ईरान की अधिकांश मिसाइलों और ड्रोनों को निष्क्रिय कर दिया है। उन्होंने कहा हमने नेतृत्व के दो स्तरों को पूरी तरह से खत्म कर दिया है और शायद तीसरा भी। हमारे पास केवल एक चीज है जो एक छोटा चोक पॉइंट है और उन्होंने (ईरान) इसका वर्षों से बहुत अच्छी तरह से इस्तेमाल किया है।

ईरान मिसाइल क्षमता ध्वस्त होने के अमेरिकी दावों के बीच जारी भीषण हमले

दोहा/वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और इस्राइल का दावा है कि संयुक्त हमलों में ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन क्षमता को भारी नुकसान पहुंचा है और उसके कई लॉन्चर नष्ट कर दिए गए हैं। इसके बावजूद ईरान अब भी क्षेत्रीय देशों और इस्राइल की दिशा में असरदार तरीके से मिसाइल और ड्रोन दाग रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार ईरान की हमला क्षमता जरूर घटी है, लेकिन उसके पास अभी भी इतने हथियार और वैकल्पिक रणनीतियां मौजूद हैं कि वह सीमित लेकिन रणनीतिक हमलों के जरिये पूरे क्षेत्र में तनाव बनाए रख सकता है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि अभियान एपिक फ्यूरी में ईरान की सैन्य क्षमताओं को गंभीर नुकसान पहुंचा है। ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता कार्यात्मक रूप से नष्ट हो चुकी है, उसकी नौसेना को युद्ध के लिहाज से अप्रभावी माना जा रहा है और अमेरिकी व इस्राइली वायुसेना ने ईरान के हवाई क्षेत्र पर लगभग पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर लिया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार इन दावों के बावजूद सोमवार को कतर ने घोषणा की कि उसने ईरान से दागी गई मिसाइलों को इंटरसेप्ट किया है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन ने भी मिसाइल अलर्ट जारी किए। अबू धाबी में एक मिसाइल के कार पर गिरने से एक व्यक्ति की मौत भी हुई। विशेषज्ञों के अनुसार इसकी वजह यह है कि ईरान की पूरी क्षमता खत्म नहीं हुई है। उसके पास अभी भी मिसाइलों का बड़ा भंडार, मोबाइल लॉन्चर और विकेंद्रीकृत सैन्य ढांचा मौजूद है, जिससे वह सीमित स्तर पर हमले जारी रख सकता है।

हमले कम हुए पर लगा रहा सटीक निशाना रिपोर्ट के अनुसार हालांकि युद्ध के शुरुआती दिनों की तुलना में ईरान के हमलों में स्पष्ट कमी आई है। संघर्ष के पहले 24 घंटों में

ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात की ओर 167 मिसाइलें और 541 ड्रोन दागे थे। लेकिन युद्ध के 15वें दिन यह संख्या घटकर सिर्फ 26 मिसाइल और करीब 50 ड्रोन रह गई, यह आंकड़े यूएई के रक्षा मंत्रालय के बयानों के आधार पर संकलित किए गए हैं। इस्राइल पर हमलों में भी गिरावट आई है। शुरुआती दो दिनों में लगभग 100 प्रोजेक्टाइल दागे गए थे, जबकि हाल के दिनों में यह संख्या 15 से 20 सिमट गई है।पेंटागन ने भी कहा कि युद्ध के पहले दिन की तुलना में ईरानी मिसाइल लॉन्च 90 प्रतिशत और ड्रोन हमले 86 प्रतिशत तक घट गए हैं। अमेरिकी खुफिया एजेंसी ऑफिस ऑफ द डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस ने 2022 में आकलन किया था कि ईरान के पास क्षेत्र का सबसे बड़ा बैलिस्टिक मिसाइल भंडार है। हालांकि इसकी सटीक संख्या सार्वजनिक नहीं है, लेकिन इस्राइली खुफिया रिपोर्टों के अनुसार ईरान के पास लगभग 3000 मिसाइलें थीं। पिछले साल जून में हुए 12 दिन के युद्ध के बाद यह संख्या घटकर लगभग 2500 रह गई थी। वॉशिंगटन स्थित नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर डेविड डेस रोशेस के अनुसार, ईरान जैसे विशाल देश में सभी लॉन्चरों को पूरी तरह खत्म करना बेहद कठिन है, खासकर तब जब जमीन पर सैनिक तैनात न हों।उन्होंने कहा कि कई मिसाइलें युद्ध से पहले ही ऐसे गुप्त स्थानों पर छिपा दी गई थीं जो सैन्य ठिकानों से जुड़े नहीं थे। ऐसे लॉन्चरों की पहचान करना मुश्किल होता है।डेस रोशेस के अनुसार ईरान अब बड़े पैमाने पर मिसाइलों की बौछार करने की क्षमता खो चुका है। इसलिए वह एक समय में एक या दो मिसाइलें दागकर नागरिक या वाणिज्यिक ढांचों को निशाना बना रहा है। जर्मनी के जर्मन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एंड सिक्योरिटी अफेयर्स के विशेषज्ञ हामिदरेजा अजीजी के अनुसार तेहरान की रणनीति यह हो सकती है कि खाड़ी देश और इस्राइल अपनी रक्षात्मक क्षमता पहले खो दें, जबकि ईरान के पास मिसाइलें बची रहें। उनके अनुसार ईरान ने अपने मिसाइल ठिकानों और कमांड सिस्टम को विकेंद्रीकृत कर दिया है और अब वह अधिकतर मोबाइल लॉन्चरों का उपयोग कर रहा है।

सचिन तेंदुलकर और खेलना चाहते थे लेकिन 1 फोन कॉल ने खत्म किया वनडे करियर

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक सचिन तेंदुलकर ने 18 मार्च 2012 को मीरपुर में पाकिस्तान के खिलाफ अपना आखिरी वनडे मैच खेला था. इसके बाद 22 दिसंबर को सचिन ने वनडे फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था. 'क्रिकेट के भगवान' कहे जाने वाले दुनिया के सबसे महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को रिटायर हुए एक दशक से भी ज्यादा समय हो गया है. इसके बावजूद भी सचिन के नाम कई वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बरकरार हैं. टीम इंडिया को साल 2011 के वनडे वर्ल्ड कप जिताने वाले सचिन ने 90 के दशक और 2000 के दशक में भारत को वनडे क्रिकेट में एक मजबूत टीम की पहचान दिलाई थी. उन्होंने अपने करियर का आखिरी वनडे मुकाबला 18 मार्च, 2012 को एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था. इसके बाद उन्होंने 22 दिसंबर 2012, को वनडे फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था.

संदीप पाटिल ने किया बड़ा खुलासा– भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व चीफ सेलेक्टर संदीप पाटिल ने सचिन की वनडे क्रिकेट से रिटायरमेंट को लेकर बड़ा खुलासा किया है. 'मास्टर ब्लास्टर' ने साल 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लिया था, लेकिन बीसीसीआई ने पहले ही उन्हें बता दिया था कि वे उनके रिप्लेसमेंट की तलाश कर रही है. साल 2012 में सचिन ने वनडे क्रिकेट छोड़ दिया था और टी20 इंटरनेशनल भी खेलना बंद कर दिया था.

आईपीएल से पहले अर्जुन तेंदुलकर का खतरनाक फॉर्म!

नेट्स सेशन में फेंके जसप्रीत बुमराह जैसे यॉर्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होने जा रही है. इस टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले अर्जुन तेंदुलकर जमकर पसीना बहा रहे हैं. वे लखनऊ के नेट्स सेशन में खतरनाक यॉर्कर गेंद फेंकते हुए नजर आ रहे हैं. 'क्रिकेट के भगवान' कहे जाने वाले भारत के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर के लिए आईपीएल 2026 एक नई शुरुआत लेकर आया है. मुंबई इंडियंस के साथ सालों तक जुड़े रहने के बाद इस सीजन में अर्जुन लखनऊ सुपर जायंट्स की जर्सी में खेलते नजर आएंगे. नवंबर 2025 में हुए एक ट्रेड डील के तहत लखनऊ ने अर्जुन को उनकी मौजूदा फीस 30 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया था. अब अर्जुन लखनऊ के ट्रेनिंग सेशन में जमकर पसीना बहा रहे हैं, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी वायरल हो रहा है.

जसप्रीत बुमराह जैसी यॉर्कर फेंकते नजर आए अर्जुन तेंदुलकर– अर्जुन तेंदुलकर लखनऊ सुपर जायंट्स के ट्रेनिंग सेशन में शानदार गेंदबाजी करते हुए नजर आए हैं.

- **आईपीएल 2026 में लखनऊ के लिए खेलेंगे अर्जुन**– अर्जुन तेंदुलकर का आईपीएल का सफर साल 2021 में शुरू हुआ था, जब उन्हें मुंबई इंडियंस ने उनके बेस प्राइस पर ऑक्शन में खरीदा था. हालांकि, उन्हें शुरुआत के दो सालों में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला. अर्जुन का आधिकारिक डेब्यू साल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हुआ और अपने डेब्यू सीजन में उन्होंने 4 मैचों में सिर्फ 3 विकेट चटकाए थे. उनका पहला आईपीएल विकेट सनराइजर्स हैदराबाद के भुवनेश्वर कुमार का बना था. अब आईपीएल 2026 में अर्जुन लखनऊ के लिए खेलते नजर आएंगे.

ग्लेन फिलिप्स का दिखा नया अवतार, क्रिकेटर ने पायलट के रूप में फैंस को चौंकाया

ऑकलैंड, एजेंसी। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स मैदान पर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी, बेहतरीन स्पिन और हैरान करने वाली फील्डिंग के लिए जाने जाते हैं। लेकिन, फिलिप्स सिर्फ मैदान पर ही नहीं बल्कि हवा में भी करतब दिखा सकते हैं। मंगलवार को ऑकलैंड के आकाश में उन्होंने कुछ ऐसा किया जिसे देख दुनियाभर के क्रिकेट फैंस हैरान हैं। ग्लेन फिलिप्स ने मंगलवार को ऑकलैंड के आर्डमोर एयरोड्रोम पर एक लाइट एयरक्राफ्ट को सफलतापूर्वक लैंड कराकर अपनी पायलट क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इसका वीडियो फिलिप्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया। फिलिप्स ने बताया कि वह कमर्शियल पायलट का लाइसेंस लेने की प्रक्रिया में हैं और

इसके लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं। ऑल-राउंडर ने हाल ही में आर्डमोर फ्लाइंग स्कूल में स्टूडेंट्स और इंस्ट्रक्टर्स से बातचीत भी की। फिलिप्स ने कहा, 'यह मेरा बड़ा पैशन है। अगर मैं क्रिकेट नहीं खेल रहा होता और मेरे पास दुनिया भर का पैसा होता, तो शायद मैं पायलट बनता। मुझे हवा में रहना बहुत पसंद है। पहाड़ों में जाकर अपने शौक पूरे करना और पायलट बनना मेरी प्राथमिकता है। दाएं हाथ से बल्लेबाजी के अलावा बाएं हाथ से बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग में भी सक्षम फिलिप्स का एयरक्राफ्ट के कॉकपिट में भी हाथ आजमाना उनकी जिंदगी के आयामों को प्रदर्शित करता है और यह बताता है कि शायद ऐसा कुछ नहीं, जो फिलिप्स न कर सकें। ग्लेन फिलिप्स जल्द आईपीएल 2026 में दिखेंगे। वह लीग में गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं। फिलिप्स को उनकी क्षमता के मुताबिक आईपीएल में मौके नहीं मिले हैं। देखना होगा आगामी सीजन में जीटी उनका कितना और कैसे इस्तेमाल करती है।

आईपीएल 2026:

विराट कोहली आरसीबी के लिए खिताब डिफेंड करने की चुनौती के साथ बेंगलुरु पहुंचे

बेंगलुरु एजेंसी।। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली आईपीएल 2026 के लिए टीम से जुड़ गए हैं। कोहली बुधवार सुबह बेंगलुरु पहुंचे। टीम मैनेजमेंट, खिलाड़ियों और फैंस को कोहली का बेसब्री से इंतजार था। बेंगलुरु पहुंचने से पहले कोहली लंदन में ही अभ्यास कर रहे थे। कोहली ने अपने अभ्यास की एक तस्वीर भी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डाली थी जिसे आरसीबी ने अपने आधिकारिक एक्स प्लेटफॉर्म पर शेयर किया था। कोहली के टीम से जुड़ने के बाद अभ्यास सत्र में जोश और तेजी आएगी। आरसीबी आईपीएल 2026 में चैंपियन के रूप में उतरेगी। टीम का मुख्य लक्ष्य अपने खिताब का बचाव करना होगा। आरसीबी ने आईपीएल 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स को हराकर अपना पहला खिताब जीता था। आरसीबी को चैंपियन बनाने में विराट कोहली का अहम योगदान रहा था। फ्रेंचाइजी के लिए पारी की शुरुआत करने वाले विराट कोहली ने पिछले सीजन में 15 मैचों में 54.75 की औसत और 144.71 की स्ट्राइक रेट से 657 रन

बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से 8 अर्धशतक निकले थे। कोहली ने 66 चौके और 19 छक्के भी लगाए थे। आरसीबी को अगर आईपीएल 2026 में अपने खिताब की रक्षा करनी है, तो इसमें विराट कोहली की भूमिका अहम होने वाली है। टीम प्रबंधन शीर्ष क्रम में एक बार फिर उनसे निरंतर बेहतर और प्रभावी प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। हालांकि, विराट कोहली आरसीबी के साथ पहले सीजन से जुड़े हुए हैं। उनके प्रदर्शन में निरंतरता रहती है। लगभग हर साल वह टीम की तरफ से शीर्ष स्कोरर रहते हैं। कोहली लीग के इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाज हैं। उनके नाम सर्वाधिक रन और शतक का रिकॉर्ड है।

कोहली ने 267 मैचों में 8 शतक और 63 अर्धशतक लगाते हुए 8,661 रन बनाए हैं। विराट 2013 से 2021 तक आरसीबी के कप्तान भी रहे हैं। कोहली की कप्तानी में आरसीबी 2016 का फाइनल खेली थी, लेकिन खिताब जीतने में सफल नहीं रही थी। आरसीबी ने पिछले सीजन अपना पहला खिताब रजत पाटीदार की कप्तानी में जीता था। आईपीएल 2026 में भी पाटीदार की कप्तानी और बल्लेबाजी पर आरसीबी फैंस की नजर रहेगी।

मोरक्को को एएफकॉन 2025 का चैंपियन घोषित किया गया

अफ्रीकी फुटबॉल फेडरेशन ने सेनेगल की जीत रद्द की, मैच के बीच मैदान छोड़ना गलत माना

मोरक्को (एजेंसी)। मोरक्को को एएफकॉन 2025 का चैंपियन घोषित किया गया है। कॉन्फेडरेशन ऑफ अफ्रीकन फुटबॉल (सीएएफ) ने सेनेगल की 1-0 की जीत को रद्द कर दिया है। यह फैसला 18 जनवरी को खेले गए फाइनल मैच के दौरान हुए विवाद के बाद लिया गया है।दरअसल, मैच के आखिरी समय में सेनेगल के खिलाड़ियों ने रेफरी के एक फैसले के विरोध में मैदान छोड़ दिया था,जिसे नियमों का उल्लंघन माना गया है।

क्या था विवाद -18 जनवरी को खेले गए फाइनल मैच में निर्धारित समय तक स्कोर 0-0 की बराबरी पर था। स्टॉपेज टाइम (इंजुरी टाइम) में रेफरी ने मेजबान मोरक्को के पक्ष में एक पेनल्टी दी। इस फैसले से सेनेगल के खिलाड़ी नाराज हो गए और विरोध स्वरूप मैदान से बाहर चले गए। करीब 17 मिनट तक खेल रुका रहा। बाद में खिलाड़ी वापस लौटे, मोरक्को के ब्राहिम डियाज पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए और एक्स्ट्रा टाइम में सेनेगल के पापे गुये ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 से जीत दिला दी थी।

नियमों के आधार पर पलटा गया फैसला

मोरक्को फुटबॉल फेडरेशन (एफआरएमएफ) ने मैच के नतीजों को लेकर सीएएफ की अपील कमेटी में चुनौती दी थी। सीएएफ ने अपनी जांच में पाया कि सेनेगल ने एएफकॉन रेगुलेशन के आर्टिकल 82 का उल्लंघन किया है। इस नियम के मुताबिक, अगर कोई टीम रेफरी की अनुमति के बिना मैच खत्म होने से पहले मैदान छोड़ती है, तो उसे हारा हुआ माना जाता है। आर्टिकल 84 के तहत ऐसी स्थिति में विरोधी टीम को 3-0 से विजेता घोषित कर दिया जाता है। इसी आधार पर सेनेगल को अयोग्य ठहराते हुए मोरक्को को 3-0 से विजेता मान लिया गया।

मोरक्को फेडरेशन ने कहा- यह सिर्फ नियमों की जीत - फैसला आने के बाद मोरक्को फुटबॉल फेडरेशन ने बयान जारी कर कहा कि उनकी अपील किसी टीम के प्रदर्शन को चुनौती देने के लिए नहीं थी, बल्कि टूर्नामेंट के नियमों को लागू कराने के लिए थी। फेडरेशन ने कहा हम नियमों के सम्मान और अफ्रीकी प्रतियोगिताओं में स्पष्टता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले सभी देशों की सराहना करते हैं।

सेनेगल फेडरेशन की तरफ से अभी कोई कमेंट नहीं

सेनेगल फुटबॉल फेडरेशन ने अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन उनकी नेशनल टीम के 𝕏 अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट हुआ। इसमें प्लेयर्स बस परेड में ट्रॉफी के साथ सेलिब्रेट करते दिखे। साथ में 'ओके' इमोजी था।

अफ्रीका कप में पहले भी हो चुके हैं ऐसे विवाद

अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के इतिहास में यह पहली बार नहीं है जब बड़े मुकाबले विवादों में घिरे हों।

2010 अफ्रीका कप में टोगो टीम पर बस अटैक के बाद टूर्नामेंट की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे थे।

2015 अफ्रीका कप में मेजबान इक्वेटोरियल गिनी पर रेफरी फैसलों को प्रभावित करने के आरोप लगे थे, जिससे घाना के खिलाड़ी और अधिकारी खुले तौर पर नाराज दिखे।

2022 अफ्रीका कप में ट्यूनीशिया और माली के बीच खेले गए मैच में रेफरी ने समय से पहले मैच खत्म कर दिया था, जिस पर भारी विवाद हुआ था। उस मुकाबले के बाद सीएएफ (अफ्रीकन फुटबॉल कॉन्फेडरेशन) को आधिकारिक सफाई तक देनी पड़ी थी।

आईआईसी टी-20 रैंकिंग- बुमराह बिना मैच खेले टॉप-5 में पहुंचे

अफ्रीकी बॉलर बॉश के पॉइंट्स गिरने से फायदा; अभिषेक लगातार 8 महीने से नंबर-1 बैटर

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी-20 बॉलर्स की रैंकिंग के टॉप-5 में वापसी कर ली है। वे बिना कोई मैच खेले टॉप-5 में पहुंच गए हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि टी-20 वर्ल्डकप के बाद हुई साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की 5 मैच की सीरीज में अफ्रीकी टीम में कॉर्बिन बॉश को मौका नहीं मिला है। इससे उन्हें रैंकिंग में नुकसान हुआ और वह छठे स्थान पर खिसक गए। आईसीसी ने बुधवार को ताजा प्लेयर रैंकिंग जारी की। इसमें जसप्रीत 702 रेटिंग अंक के साथ पांचवें पहुंच गए। बुमराह टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। बैटर्स की रैंकिंग में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। भारत के अभिषेक शर्मा (875 रेटिंग पॉइंट्स) टॉप पर हैं। वे जुलाई 2025 से टी-20 के नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं।

कॉन्वे ने बैटर्स रैंकिंग में 4 स्थान की छलांग लगाई

बल्लेबाजों की टी-20 रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। ईशान किशन भी पिछले हफ्ते की तरह दूसरे नंबर पर हैं। दोनों में सिर्फ 4 पॉइंट का अंतर है। न्यूजीलैंड के डेवोन कॉन्वे ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार करते हुए चार स्थान की छलांग लगाई। अब वह 70वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

बॉलर्स रैंकिंग में कीवी कप्तान सैंटनर को भी फायदा

टी-20 इंटरनेशनल रैंकिंग में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर को फायदा मिला है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की सीरीज के पहले 2 मुकाबलों में उन्होंने 3 विकेट लेने के साथ 35 रन भी बनाए, जिसकी बदौलत सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है। वहीं, अभी तीन मैच बाकी हैं। इस प्रदर्शन के दम पर सैंटनर गेंदबाजों की रैंकिंग में 11 स्थान की छलांग लगाकर 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं। पिछले हफ्ते वह 24वें नंबर पर थे। टी-20 के ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भी मिचेल सैंटनर करियर की बेस्ट रैंकिंग में पहुंच गए हैं। वे दो पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर आ गए हैं।

रियल मैड्रिड चैंपियंस लीग के क्वार्टरफाइनल में: मैनचेस्टर सिटी को हराया

मैड्रिड (एजेंसी)। 15 बार की चैंपियन रियल मैड्रिड ने यूईएफए चैंपियंस लीग के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई है। प्री क्वार्टरफाइनल में मैनचेस्टर सिटी को उसी के घर में हराकर अंतिम-8 में जगह बना ली हैं। मैड्रिड के अलावा आर्सनल, पेरिस सेंट-जर्मेन

(पीएसजी) और स्पोर्टिंग सीपी ने भी क्वार्टरफाइनल का टिकट कटा लिया है। इस राउंड के सबसे बड़े उलटफेर में स्पोर्टिंग सीपी ने पहले लेग में 0-3 से पिछड़ने के बाद दूसरे लेग में बोडो ग्लिम्ट को 5-0 से रौंदकर शानदार वापसी की।

रियल मैड्रिड ने सिटी को 2-1 से हराया, ओवरऑल स्कोर 5-1 रहा - मैनचेस्टर के एतिहाद स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में रियल मैड्रिड ने सिटी को 2-1 से मात दी। एग्रीगेट (दोनों मैचों का कुल स्कोर) के आधार पर मैड्रिड ने 5-1 से जीत दर्ज की। मैच के 20वें मिनट में सिटी के बर्नार्डो सिल्वा को हैंडबॉल के लिए रेड कार्ड दिखाया गया, जिससे टीम 10 खिलाड़ियों पर सिमट गई। 22वें मिनट में विनीशियस जूनियर ने पेनल्टी को गोल में बदलकर मैड्रिड को बढ़त दिलाई।

थॉमस और उबर कप में भारत को कठिन ड्रॉ मिला

मेंस और विमेंस टीमें पहला मैच चीन से खेलेंगी, 24 अप्रैल से 3 मई तक टूर्नामेंट होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। थॉमस और उबर कप 2026 में भारत को कठिन ड्रॉ मिला है। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने बुधवार को टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ जारी किया। इसके अनुसार भारत को पहले ही मैच में डिफेंडिंग चैंपियन चीन की कठिन चुनौती का सामना करना है। भारतीय पुरुष टीम को ग्रुप ए में चीन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के साथ रखा गया है। वहीं, भारतीय महिला टीम भी ग्रुप में चीन के साथ है, जहां मेजबान डेनमार्क और यूक्रेन भी शामिल हैं। थॉमस कप का 34वां और उबर कप का 31वां संस्करण 24 अप्रैल से 3 मई तक डेनमार्क के हॉर्सेंस में खेला जाएगा। थॉमस कप मेंस और उबर कप विमेंस टीमों के बीच अयोजित होता है।

चीन की टीम मजबूत, भारत को लक्ष्य से उम्मीदें - चीन की पुरुष टीम इस बार भी मजबूत मानी जा रही है, जिसमें वर्ल्ड नंबर-2 शी यू क्वी और नंबर-7 ली शी फेंग जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। हालांकि, भारत को लक्ष्य सेन के हालिया शानदार प्रदर्शन से उम्मीदें होंगी। टूर्नामेंट में 16 टीमें भाग लेंगी, जिन्हें चार-चार टीमों के चार ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी।

पिछले एडीशन में क्वार्टर फाइनल हार गई थीं भारतीय टीमें - भारत की दोनों टीमें पिछले एडीशन में क्वार्टर फाइनल राउंड से बाहर हो गई थीं। मेंस टीम को टॉप-8 मैच में चीन से हार गया था। वहीं, महिला टीम को क्वार्टर फाइनल में जापान ने हराकर बाहर का रास्ता दिखाया था।

भारत ने 2022 में जीता था थॉमस कप - भारत ने 2022 में पहली बार थॉमस कप का खिताब जीता था। उसने बैंकॉक में फाइनल में इंडोनेशिया को 3-0 से हराया था।

1949 से हो रही है चैंपियनशिप - थॉमस कप चैंपियनशिप 1949 से खेली जा रही है। वहीं, उबर कप का आयोजन 1956 से हो रहा है। 1984 से दोनों टूर्नामेंट एक साथ आयोजित कराए जा रहे हैं।

क्या 2028 ओलंपिक में नहीं खेलेगा इंग्लैंड?

नई दिल्ली, एजेंसी। मंगलवार को नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम स्थित प्रतिष्ठित 'वैगेनर स्टेडियम' में एक रोमांचक आधिकारिक ड्रॉ समारोह आयोजित किया गया। यह उन दो स्थानों में से एक है, जहां आगामी विश्व कप के मैच खेले जाएंगे। दूसरा स्थान बेल्जियम के वेव्रे में स्थित बिल्कुल नया 'बेल्फियस हॉकी एरिना' है। ड्रॉ के जरिए एफआईएच हॉकी विश्व कप (बेल्जियम और नीदरलैंड्स 2026) के ग्रुप चरण के लिए पुरुष और महिला वर्गों के आठ पूलों का निर्धारण किया गया। इस ड्रॉ में 16 टीमों को चार-चार के चार ग्रुप में बांटा गया है। भारत, पाकिस्तान के अलावा, पूल डी की अन्य दो टीमें इंग्लैंड और वेल्स हैं। भारत के लिए यह एक कठिन ड्रॉ है, क्योंकि क्वार्टरफाइनल में सीधे जगह बनाने के लिए उसे इंग्लैंड और पाकिस्तान से आगे निकलना होगा, जबकि प्रत्येक ग्रुप में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें टॉप-8 चरण में अपनी जगह पक्की करने के लिए 'क्रॉस-ओवर' मुकाबलों में हिस्सा लेंगी। विमेंस एफआईएच वर्ल्ड कप बेल्जियम और नीदरलैंड्स में इन्हीं तारीखों पर आयोजित किया जाएगा। भारतीय महिला टीम का मुकाबला एक बार फिर इंग्लैंड से होगा। पूल डी में उनके साथ एशियन चैंपियन चीन और

अफ्रीकन चैंपियन दक्षिण अफ्रीका भी शामिल हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम को कुछ दिन पहले ही तेलंगाना के हैदराबाद में खेले गए एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालीफायर के फाइनल में इंग्लैंड के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद टीम दूसरे स्थान पर रही थी। मुख्य टूर्नामेंट में ये दोनों टीमें एक बार फिर आमने-सामने होंगी।

पुरुष

- **पूल ए :** नीदरलैंड्स, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड, जापान (नीदरलैंड्स में खेलेंगे)।
- **पूल बी :** बेल्जियम, जर्मनी, फ्रांस, मलेशिया (बेल्जियम)।
- **पूल सी :** ऑस्ट्रेलिया, स्पेन, आयरलैंड, साउथ अफ्रीका (बेल्जियम)।
- **पूल डी :** इंग्लैंड, भारत, पाकिस्तान, वेल्स (नीदरलैंड्स)।

महिला:

- **पूल ए :** नीदरलैंड्स, ऑस्ट्रेलिया, चिली, जापान (नीदरलैंड्स में खेलेंगे)।
- **पूल बी :** अर्जेंटीना, जर्मनी, यूएसए, स्कॉटलैंड (बेल्जियम)।
- **पूल सी :** बेल्जियम, स्पेन, न्यूजीलैंड, आयरलैंड (बेल्जियम)।
- **पूल डी :** चीन, इंग्लैंड, भारत, साउथ अफ्रीका (नीदरलैंड्स)।

कच्चे मकान से पक्के घर तक – हितग्राही निर्मला बाई की प्रेरक सफलता कहानी

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से बदली ज़िंदगी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए एक वरदान साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से ऐसे परिवारों का वर्षों पुराना सपना पूरा हो रहा है, जो आर्थिक तंगी के कारण अपना पक्का मकान नहीं बना पा रहे थे। जनपद पंचायत बेमेतरा के ग्राम पंचायत झाल की हितग्राही निर्मला बाई की सफलता कहानी भी इसी परिवर्तन की सशक्त मिसाल है, जिसने सरकारी योजना के सहयोग से अपना खुद का सुरक्षित और सम्मानजनक आवास प्राप्त किया। निर्मला बाई पहले अपने परिवार के साथ एक कच्चे, जर्जर और असुरक्षित मकान में जीवन यापन कर रही थीं। बरसात के मौसम में छत से पानी टपकना, गर्मी में अत्यधिक गर्मी और ठंड के समय असुविधा जैसी कई समस्याओं का सामना उन्हें और उनके परिवार को करना पड़ता था। सीमित आय और आर्थिक कमजोरी के कारण उनके लिए पक्का मकान बनवाना संभव नहीं हो पा रहा था। ऐसे में परिवार के लिए सुरक्षित और स्थायी आवास का सपना अधूरा ही रह गया था। इसी दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के बारे में जानकारी मिलने पर उन्होंने ग्राम पंचायत में संपर्क किया, जहाँ उनका नाम पात्रता सूची में शामिल पाया गया। योजना के अंतर्गत उन्हें शासन द्वारा आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई, जिसके बाद उन्होंने अपने पक्के मकान के निर्माण का कार्य शुरू किया। प्रशासन और पंचायत के सहयोग से निर्माण कार्य समय पर पूरा हुआ और आज निर्मला बाई अपने परिवार के साथ नए पक्के और सुरक्षित घर में रह रही हैं। निर्मला बाई बताती हैं कि अब उनका परिवार पहले से अधिक सुरक्षित और सम्मान के साथ जीवन जी रहा है। पक्का मकान मिलने से उनके बच्चों को भी बेहतर वातावरण मिला है और बरसात या अन्य मौसमों में अब किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए सरकार और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना गरीब परिवारों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाने वाली योजना है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) आज जिले के हजारों जरूरतमंद परिवारों के लिए आशा की किरण बनकर सामने आई है। यह योजना न केवल गरीब परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध करा रही है, बल्कि उन्हें सम्मानजनक जीवन, सुरक्षा और बेहतर भविष्य की नई राह भी दे रही है। निर्मला बाई की यह सफलता कहानी अन्य पात्र हितग्राहियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है।

गैस की समस्या को लेकर एजेंसियों में उमड़ी भीड़, आपूर्ति नहीं कर पा रहे संचालक

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

एलपीजी गैस की समस्या को लेकर जिले के डीलर्स अच्छे खासे परेशान हैं। एक ओर उपभोक्ताओं को समय पर गैस की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर एजेंसियों को समय पर सिलेंडर की आपूर्ति नहीं हो पाने से अच्छे खासे परेशान है। ऐसे में सुबह सिलेंडर से लदा ट्रक के आते ही ग्राहक टूट पड़ रहे हैं और वे आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। उपभोक्ताओं को एक सिलेंडर 25 दिन में देने का नियम होने से बड़ा परिवार भी संकट के दौर से गुजर रहा है। क्योंकि एलपीजी गैस बड़े परिवार में 25 दिन से पहले समाप्त हो जा रहा है। उपभोक्ताओं के मुताबिक वे गैस की बुकिंग करा रहे हैं लेकिन उन्हें ओटीपी नहीं मिल पा रहा है। इसके चलते उन्हें गैस की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। वहीं एजेंसी के संचालक जब तक ओटीपी नहीं मिल रहा है तब तक गैस सिलेंडर नहीं दे रहे हैं। गौरतलब है कि जिला मुख्यालय में तकरीबन 15 हजार उपभोक्ता है। इंडेन की मुख्य एजेंसी चांपा में होने से चांपा से गैस की सप्लाई जांजगीर में की जाती है। वहीं जिला मुख्यालय में एचपी की गैस एजेंसी है। जहां भी गैस सिलेंडर की सप्लाई सीमित कर दी गई है। इसके चलते दोनों की एजेंसियों में उपभोक्ताओं की कतार लगी रहती है। सुबह जैसे ही गैस सिलेंडर की गाड़ी आती है। वैसे ही ग्राहक टूट पड़ते हैं। भीड़ इतनी बढ़ी रहती है कि पलक झपकते ट्रक में भरा सिलेंडर खत्म हो जाता है। शादी घर, भागवत कथा वाले घरों में बढ़ी दिक्कत - जिनके घरों में शादी हो रही या फिर भागवत कथा का आयोजन हो रहा है ऐसे घरों में गैस सिलेंडर के बजाए लकड़ी से भोजन बन रहा है। क्योंकि गैस सिलेंडर की आपूर्ति नहीं हो रही है। ऐसे घरों के आयोजन कर्ता अपने स्तर से गैस सिलेंडर की आपूर्ति करा रहे हैं। फिर भी पर्याप्त सिलेंडर नहीं मिलने से वे लकड़ी का इस्तेमाल कर रहे हैं।

ट्रैफिक जांच जारी, 21 प्रकरण में 15 हजार की चालानी कार्यवाही

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध जिले के यातायात दल ने बुधवार को कार और मोटर सायकल ड्राइविंग के दौरान बिना हेलमेट, सीट बेल्ट नहीं पहनने और तीन सवारी आदि पर, 194 बी 1, 50/177, 130, 122, 128, 129, 179, 112, 115 आदि धारा और उनके उपधारा के तहत कुल 21 प्रकरण में 15 हजार 400 रूपये की यातायात चालानी कार्यवाही की गई। इस कार्य में यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक जितेन्द्र चन्द्रा, उप निरीक्षक समेलाल सोनवानी, प्रधान आरक्षक मुकेश साहू, आरक्षक अक्षय रात्रे और सनसाई तिग्गा आदि शामिल थे।

एनजीटी नियमों का उड़ रहा धज्जियां, पुलिस टीम भी मूकदर्शक बनी, खुले में गिट्टी, बजरी का किया जा रहा परिवहन, कोई कार्रवाई नहीं..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

चंद्रपुर - सरिया मुख्य मार्ग पर रोजाना खुले में गिट्टी, बजरी जैसे खनिज मटेरियल का परिवहन किया जा रहा है। इन वाहनों पर न पुलिस टीम जांच कर रही है और न ही खनिज अमला के द्वारा रोक लगाई गई है। ऐसे में भारी वाहनों पर मनमानी ढंग से खनिज मटेरियल की सप्लाई बदस्तूर जारी है। थाना क्षेत्र सरिया के कटंगपाली क्षेत्र में एनजीटी के नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। एनजीटी के नियमों का पालन कराने कोई नहीं है। ऐसे में भारी वाहनों पर बिना ढंग और ओवरलोड गिट्टी, बजरी का परिवहन किया जा रहा है। बिना ढंके मटेरियल की सप्लाई करने से राहगीरों व वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। सारंगढ़ क्षेत्र के टिमरलगा - गुडेली से गिट्टी, बजरी को भरकर कटंगपाली क्षेत्र के क्रशरों में खपाने का खेल चल रहा है। इस क्षेत्र के क्रशर मालिकों के द्वारा डोलोमाइट मटेरियल में चूना पत्थर के गिट्टी व बजरी का मिलावट कर ऊंचे दामों में बिक्री किया जा रहा है । इसके बाद भी खनिज विभाग के जिम्मेदार अधिकारी कुंभकरणी नींद में गाफिल है और कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। वही पुलिस महकमा भी मंथली वसूली कर इन वाहनों को खुले में परिचालन करने की छूट दे दी है। सरिया पुलिस की टीम सप्ताह में दो दिन चेकिंग पाइंट लाकर वाहनों की जांच करती हैं लेकिन इन वाहनों पर कार्रवाई नहीं किया जाता है। शेष वाहनों के रफ्तार व बीमा आदि की जांच कर जुर्माना वसूल किया जा रहा है। किंतु भारी वाहनों पर कार्रवाई ही नहीं किया जाना समझ से परे है।

फ्लाईऐश वाहनों पर भी कोई कार्रवाई नहीं

रायगढ़ - चंद्रपुर की ओर से आने वाले फ्लाईऐश वाहनों की तेज रफ्तार और ओवरलोड पर यातायात विभाग और पुलिस टीम के द्वारा कार्रवाई नहीं किया जा रहा है। जबकि सबसे अधिक इन फ्लाईऐश वाहनों से दुर्घटना हो रही है। आसपास में प्रदूषण की मात्रा में बढ़ गया है।

बैरिकेड्स नहीं लगाए जा रहे

वाहनों की तेज रफ्तार को रोकने के लिए बैरिकेड्स लगाने की कार्ययोजना का पालन नहीं हो रहा है। छोटे - बड़े वाहनों की तेज रफ्तार लात नाला चौक से लेकर बरगांव चौक, साल्हेओना चौक, बिलाईगढ चौक और कटंगपाली के नौघटा चौक पर देखा जा सकता है। लेकिन इन जगहों में से केवल साल्हेओना चौक पर मात्र दो बैरिकेड्स लगाकर पुलिस विभाग अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली है। बैरिकेड्स होने के बाद भी वाहनों की गति व परिचालन में कंट्रोल नहीं हुआ।

अप्रैल से जून 2026 तक का चावल एकमुश्त आबंटित, 30 अप्रैल तक सभी राशनकार्डधारियों को वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (ह्स्न्न्र्) एवं अन्य योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों के लिए माह अप्रैल से जून 2026 तक का चावल एकमुश्त आबंटित किया गया है। संचालक, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, नवा रायपुर द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार जिले की सभी उचित मूल्य दुकानों में चावल का भंडारण 31 मार्च 2026 तक पूर्ण किया जाएगा तथा हितग्राहियों को इसका वितरण 30 अप्रैल 2026 तक सुनिश्चित किया जाएगा। निर्देशानुसार अंत्योदय, प्राथमिकता तथा अन्य श्रेणी के सभी राशनकार्डधारियों को उनकी पात्रता के अनुसार तीन माह का चावल एक साथ वितरित किया जाएगा। इसके साथ ही शक्कर, नमक सहित अन्य राशन सामग्री का वितरण भी उपलब्धता के आधार पर नियमानुसार किया जाएगा, ताकि हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न का लाभ मिल सके। वितरण प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए ई-पॉस मशीन के माध्यम से बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण अनिवार्य किया गया है। प्रत्येक हितग्राही को राशन वितरण के बाद रसीद भी प्रदान की जाएगी। अप्रैल माह में ÷चावल उत्सव÷ का आयोजन कर हितग्राहियों को विशेष रूप से खाद्यान्न वितरण किया जाएगा, जिससे सभी पात्र परिवारों तक राशन समय पर पहुँच सके। खाद्य, राजस्व एवं सहकारिता विभाग द्वारा वितरण कार्य की सतत निगरानी की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी हितग्राहियों से अपील की है कि वे निर्धारित समयावधि के भीतर अपने नजदीकी उचित मूल्य दुकान से खाद्यान्न प्राप्त कर योजना का लाभ अवश्य लें।

कलेक्टर ने हनुमान धारा एवं हाथकरघा संस्थान चांपा का किया निरीक्षण

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज चांपा के हनुमान धारा एवं भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने हनुमान धारा में साफ-सफाई पर नाराजगी व्यक्त किया एवं नियमित साफ-सफाई करने के निर्देश दिए तथा प्रस्तावित निर्माण कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने के कड़े निर्देश अधिकारियों एवं ठेकेदार को दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए चांपा क्षेत्र में पेयजल समस्या के स्थायी समाधान हेतु कुदरी बैराज से जलापूर्ति प्रोजेक्ट तैयार कर शासन को प्रेषित करने कहा। उन्होंने इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने रामबांधा तालाब की साफ-सफाई, जलकुंभी हटाने एवं आसपास के क्षेत्र के समग्र विकास के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने चांपा नगर में स्वच्छता अभियान चलाने, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को प्रभावी बनाने तथा नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर ने भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान चांपा में निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर पालिका चांपा अध्यक्ष प्रदीप नामदेव, जनप्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी - कर्मचारी उपस्थित थे।

जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडे ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरसीवां का औचक निरीक्षण

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरसीवा का औचक निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, दवाइयों और समस्त व्यवस्थाओं का विस्तृत जायज़ा लिया।

सबसे पहले स्टाफकी उपस्थिति पंजी की जांच कर कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की। इसके बाद विभिन्न वार्डों का भ्रमण करते हुए भर्ती मरीजों की स्थिति एवं उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। मरीजों से सीधे बातचीत कर उन्होंने उनकी समस्याओं और अनुभवों को समझा। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में उपलब्ध दवाइयों की भी जांच की गई। दवाओं की गुणवत्ता, उपलब्धता और एक्सपायरी तिथि की बारीकी से समीक्षा की गई।

डॉक्टरों ने एंटीबायोटिक एवं एडवेंडजोल टैबलेट की कमी की जानकारी अध्यक्ष को दी। इस मौके पर संजय भूषण पाण्डेय ने डॉक्टरों और समस्त स्टाफ को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा,कि मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, यह सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अपराध अन्वेषण ब्यूरो को करेंगे शिकायत

नगर पालिका में ई एस आई में घोटाला ठेकेदार के खिलाफकिया शिकायत

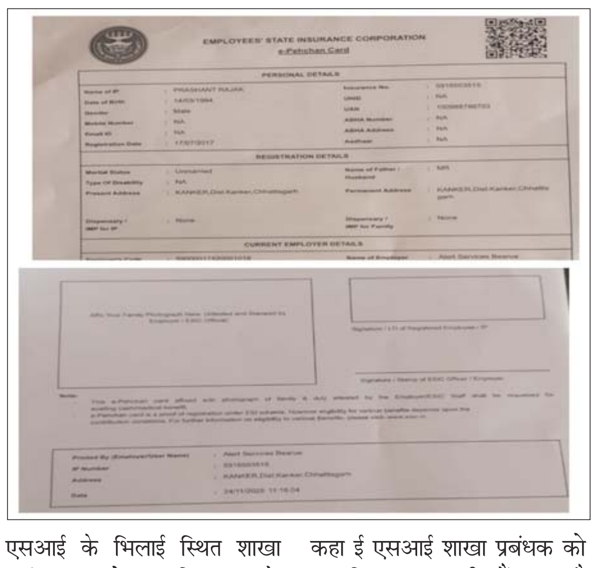
EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
e-Pehchan Card
PERSONAL DETAILS
REGISTRATION DETAILS
CURRENT EMPLOYER DETAILS

कांकेर /मूक पत्रिका

कांकेर नगर पालिका के प्लेसमेंट कर्मचारियों के ई एसआई के राशि में घोटाला सामने आया है। जारी एक प्रेस बयान में यूनियन के अध्यक्ष राकेश बिछिया और महासचिव दिलीप साहू ने बताया कि कर्मचारियों का ई एसआई की राशि 2018 के पूर्व जमा नहीं हुआ है। जबकि प्लेसमेंट एजेंसी को कर्मचारियों के वेतन से 0.75 प्रतिशत और नगर पालिका से कर्मचारी के वेतन का 3.25 प्रतिशत की राशि भुगतान किया जाता है। लेकिन 2018 के पहले किसी भी कर्मचारी के ई एसआई की राशि जमा नहीं हुआ है।

नेताओं ने कहा कि आज ई एसआई के भिलाई स्थित शाखा प्रबंधक से यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने भेट किया और यह तथ्य प्रकाश में आया। उन्होंने कहा ई एसआई शाखा प्रबंधक को एक शिकायत पत्र भी सौंपा गया है जिसमें उल्लेख किया गया कि ई एसआई कार्ड में कर्मचारियों के आश्रितों और परिवार के सदस्यों का नाम शामिल नहीं होने के कारण कर्मचारियों के आश्रितों को मुफ्त इलाज की सविधा नहीं मिल रहा है।प्रतिनिधिमंडल ने शाखा प्रबंधक का ध्यान इस और भी आकृषक कराया कि कर्मचारियों का ई एसआई में वर्ष 2018 से राशि जमा किया जा रहा है लेकिन उन्हें वर्ष 2025 में ई एसआई कार्ड वितरित तब किया गया जब इस संबंध में यूनियन ने जिलाधीश को शिकायत किया । कार्ड नहीं होने के कारण कर्मचारियों का मुफ्त इलाज का लाभ से वंचित होना पड़ा है। चर्चा के दौरान इस बात को भी रेखांकित किया गया कि हाल ही में एक प्लेसमेंट कर्मचारी के माता का इलाज रायपुर के एक निजी अस्पताल में चल रहा था और इलाज के दौरान ही उनकी मृत्यु हो गई। ई एसआई के नियम के मुताबिक कर्मचारी के माता का चिकित्सा में हुई पूरे खर्च ई एसआई से मिलना था लेकिन कर्मचारी के माता का नाम ई एसआई कार्ड में नहीं है। इस पर शाखा प्रबंधक ने सुझाव दिया यह खर्च की राशि ठेकेदार को भुगतान करना होगा क्योंकि उनके उदासीन रुख के कारण ही कर्मचारी के परिवार के सदस्यों का नाम नहीं जुड़ा है। यूनियन नेता ने कहा निकाय में ई एसआई में जो आर्थिक घोटाला सामने आया है उसके जिम्मेदार अधिकारी पर कार्यवाही करने और सभी राशि की वसूली कर लिया जाय। इस संबंध में यूनियन अपराध अन्वेषण ब्यूरो को शिकायत भेजेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।